AVADH NAGRI
जनता से जननायक तक
www.avadhnagri.com
Avadh Nagri
हिन्दी दैनिक
अवध नगरी
RNI No. UPHIN-2015/66408
बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, अम्बेडकरनगर, गोरखपुर, महराजगंज, अयोध्या, गोण्डा, बहराईच, प्रतापगढ़, प्रयागराज, एवं लखनऊ से एक साथ प्रसारित
वर्ष-10 अंक-294 बस्ती, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 पृष्ट-08 मूल्य : 2.00 रुपया

दीपावली से पहले सीएम योगी ने 5 लाख छात्रों को ट्रांसफर किया स्कॉलरशिप

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि पढ़ लिख कर ही हम देश और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 10,28,205 छात्र,छात्राओं को 297.95 करोड़ रुपये की धनराशि के हस्तांतरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में योगी शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "वर्ष 2016–17 तक प्रदेश के अंदर केवल 46 लाख विद्यार्थी स्कॉलरशिप का लाभ पाते थे, आज यह संख्या बढ़कर 62 लाख तक पहुंच गई है।योगी ने कहा कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है ताकि वे अपनी ऊर्जा से समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि आज लखनऊ में दशमोत्तर एवं पूर्वदशम के 10,28,205 छात्र–छात्राओं को 297.95 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति का अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि "हमारा संकल्प है कि किसी भी युवा, छात्र–छात्रा, खास तौर पर अनुसूचित जाति और जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे।" उन्होंने दीपावली से पूर्व मिले इस उपहार के लिए सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को हृदय से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा "बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी बार–बार कहते थे–पढ़–लिखकर ही हम स्वावलंबन का जीवन व्यतीत कर सकते हैं और अपने देश व समाज के लिए कुछ कर सकते हैं।

धनतेरस की खरीदारी,ग्राहकों और दुकानदारों में दिखा भारी उत्साह

आगरा,संवाददाता। जैतपुर कला बाजार में दीपावली और धनतेरस के त्योहारों के लिए जमकर खरीदारी की जा रही है। आसपास के गांवों से लोग बाजार पहुंच रहे हैं। गणेश–लक्ष्मी की मूर्तियां, दीपक और घर सजाने की सामग्री खरीदने के लिए दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है।

दुकानदारों के अनुसार, दीपावली हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। इसे मनाने के कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख भगवान श्री राम का रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटना है। इस अवसर पर अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। यह त्योहार धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा से भी जुड़ा है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान विष्णु ने नरसिंह का रूप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था।

सबरीमाला गोल्ड–केस, मुख्य आरोपी गिरफ्तार, 10 दिन की रिमांड पर

उन्निकृष्णन ने कहा– उसे फंसाया गया

एजेंसी,तिरुवनंतपुरम केरल के पठानमथिट्टा की रणनी कोर्ट ने शुक्रवार को सबरीमाला गोल्ड चोरी केस के मुख्य आरोपी उन्निकृष्णन पोट्टी को 30 अक्तूबर तक एसआईटी की रिमांड पर भेज दिया है। एसआईटी ने गुरुवार शुक्रवार की रात 2रू30 बजे उसे हिरासत में लिया था। शुक्रवार सुबह 14 घंटे से ज्यादा पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। कोर्ट ले जाते समय आरोपी ने कहा कि उसे किसी ने फंसाया है और दोषी कानून के सामने आएंगे। कोर्ट के बाहर भीड़ में किसी ने पोट्टी पर जूता फेंक दिया। जूता फेंकने वाले को पुलिस ने पकड़ा लिया। केरल हाईकोर्ट ने हाल ही में पाया कि द्वारपालक मूर्तियों के सोने के प्लेट्स का वजन पोट्टी को सौंपते समय 42.8 किलो था, लेकिन चेन्नई की कंपनी स्मार्ट क्रिएशंस को पहुंचने पर 38. 2 किलो रह गया। इसके बाद हाईकोर्ट ने ट्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड (टीडीबी) की विजिलेंस विंग से शुरुआती जांच कराई। जांच में पोट्टी की भूमिका संदिग्ध पाई गई जिसके बाद कोर्ट ने एसआईटी गठन करने का फैसला लिया था। इंडिया टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने सबरीमाला गोल्ड चोरी केस की रिपोर्ट में गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्राइवेट बस से आ रहा था संदिग्ध खजूर और डिलीवरी वैन में ब्रेड के बीच छुपा कर लाया जा रहा नमकीन का बड़ा खेप,फूड विभाग ने जब्त किया

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। नौसढ़ स्थित प्राइवेट बस स्टॉप पर शुक्रवार को फूड विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में संदिग्ध खजूर बरामद किया।यह खजूर दिल्ली से प्राइवेट बस के जरिए गोरखपुर लाया जा रहा था।

असिस्टेंट फूड कमिश्नर डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि जब्त किए गए खजूर के डिब्बों पर है।ं नंबर और मैन्युफैक्चरिंग डेट दर्ज नहीं थी। प्राथमिक जांच में पाया गया कि खजूर में ऐसे तत्व मौजूद हो सकते हैं जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

उन्होंने बताया कि मौके से 50 से अधिक डिब्बे खजूर जब्त किए गए हैं और उनके नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं।रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि एक टीम गोरखनाथ क्षेत्र में मुख्य सुरक्षा अधिकारी हितेंद्र मोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम ने बड़ी कार्रवाई की है जिसमें डिलीवरी वैन में ब्रेड के बीच छुपा कर लाई जा रही मिठाई,नमकीन को टीम ने पकड़ा है मौके पर तीन लोगों पहुंचे जिनके नमूना लेकर उन्हें माल सुपर्द किया गया है अन्य सामानों को टीम ने जप्त कर लिया है जिसकी अनुमानित कीमत 300000 है।

बी0आई0टी0,में डा0 ए0पी0जे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "जोनल स्पोर्ट-2025" का हुआ समापन

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। बुद्धा इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,गीडा,गोरखपुर मे दो दिवसीय खेल महोत्सव "जोनल स्पोर्ट–2025" का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केषरी नन्दन तिवारी उपजिलाधिकारी सहजनवा व अध्यक्षता संस्थान के सचिव डॉ रजत अग्रवाल ने की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि बी0आई0टी0 हमेशा छात्र–छात्राओं की खेल प्रतिभाओं को लगातार ऐसे कार्यक्रमों के द्वारा मंच प्रदान कर रहा है जिससे सभी छात्र–छात्राओं का शारीरिक व मानसिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में स्वस्थ रहना बहुत ही आवश्यक है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही

स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। उन्होंने उपस्थित छात्र व छात्राओं को ऐसे आयोजनों का लाभ लेकर अपने खेल कैरियर को सफल बनाने की शुभकामनाएँ दी। कार्यकम अध्यक्ष डॉ रजत अग्रवाल ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं सदैव आपको सकारात्मक विचार रखने की प्रेरणा प्रदान करता है जिससे आप जो फिट है वह हिट है जैसे फार्मूले पर अग्रसर होकर अपने करियर में उच्च स्थान प्राप्त करते हैं,संस्था छात्र व छात्राओं के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने यह भी कहा कि निश्चित रूप से यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनके अच्छे प्रदर्शन व सफल कैरियर के लिए प्रेरणा प्रदान करेगा।इस आयोजन के लिए ए०के०टी०यू० लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर जे०पी० पांण्डेय एवं विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक प्रो0 एस0 एन0 मिश्रा को बी०आई०टी० संस्था द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दो दिवसीय जोनल खेल–कूद प्रतियोगिता कार्यक्रम में छात्र व छात्राओं के बीच भाला फेक,हैण्ड बाल,लम्बी कूद,ऊँची कूद,वॉलीवॉल,बॉस्केटबॉल, फुटबॉल,दौड एवं एथलीट खेलों की प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में पूर्वाचल के 78 कालेज के छात्र व छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

जिसमें बी०आई०टी० संस्था के छात्र व छात्राओं का जलवा रहा। 200 मी0 रेस ब्वायज में बी0आई0टी0 के प्रिंस यादव,800 मी0 रेस मे बी0आई0टी0 कालेज के षिवम शर्मा,बी0आई0एम0 कालेज के रतन यादव,जैवलिंग में महिला वर्ग में एम0पी0डी0आर0सी कालेज की अभ्मीता पाडें प्रथम, सी0पी0सी0आर0डी0 कालेज की षिंवागी यादव द्वितीय,के0आई0पी0एम0 कालेज की शालनी कुमारी यादव तृतीय,पुरुष वर्ग में आई0टी0एम0 कालेज के दीपक यादव प्रथम,बी0आई0एम0 कालेज के निखिल यादव द्वितीय, आई0टी0एम0 महराजगंज के शनि विष्वकर्मा तृतीय,एवं बैडमिटन डब्ल तथा सिंगल में बी0आई0टी0 कालेज के सिद्धार्थ श्रीवास्वत,राज सिंह,षिवम सिंह चंदेल,शाहील अन्सारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेडल प्राप्त किया। उपर्युक्त कार्यक्रम में कालेज के निदेषक (प्रषासन) दीपक अग्रवाल, निदेषक एच0आर0 संतोष त्रिपाठी, निदेषक बी0आई0टी0 डा0 रुप रंजन,निदेषक फार्मेसी डा0 आषीष सिंह,निदेषक मैनजमेंट डॉ अभिषेक त्रिपाठी,निदेषक डिप्लोमा अभिनव श्रीवास्तव,ई0 अंकुर कुमार,सी0टी0ओ विजय कुमार श्रीवास्वत,प्रो0 अवधेष तिवारी, मनीष गुप्ता,अर्जुन यादव सहित सभी षिक्षक,कर्मचारी व छात्र–छात्राए उपस्थित थे।उपर्युक्त जानकारी निदेशक (प्रशासन) दीपक अग्रवाल ने दी।

गोरखपुर में तीन युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मार्केट आई ए लड़कियों को देखकर गा रहे थे गाना,पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ा

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत विजय चौक और बक्शीपुर से तीन शोहदे पकड़े गए। त्योहार के समय मार्केट में निकली लड़कियों को देखकर शोहदे अश्लील इशारे और गाना गा रहे थे। एक शोहदे ने गाना गया आज की रात मजा हुस्न का आंखों से लीजिए। इस दौरान कमेंट कर रहे शोहदों को मार्केट में तैनात पुलिस टीम ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील हरकत करने और गाने के आरोप में तीन युवकों के खिलाफ पुलिस ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

लड़कियों को देखकर गा रहे थे गाने

शहर में दीपावली पर्व को लेकर हर भीड़भाड़ वाले बाजारों में पुलिस तैनात है।गुरुवार की रात करीब 8रू25 बजे लगभग बक्शीपुर से एक शोहदा पकड़ा गया।जिसकी पहचान गोरखनाथ थाना क्षेत्र के रसूलपुर अब्दुल नगर निवासी मोहम्मद आयुष के रूप में हुई है। कोतवाली थाने के उप निरीक्षक हर्ष कुमार शुक्ला ने बताया कि बक्शीपुर में दीपावली पर्व की वजह से बहुत भीड़ थी। इस दौरान बाजार में आने वाली लड़कियों को देखकर आरोपी शोहदे कमेंट कर रहे थे।

सिटी बाजार अश्लील हरकत करते हुए इशारे भी कर रहा था। इसके साथ ही शोहदा यह गाना गा रहा था की आज की रात हुस्न का मजा आंखों से लीजिए।अपने दोस्तों से कह रहा था कि इसके साथ घूमने बहुत मजा आएगा। कमेंट की वजह से आने जाने वाली लड़कियां शर्म से सर झुका ले रही थी। जब इसकी सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची,और घेराबंदी कर आरोपी मोहम्मद आयुष को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दो को दौड़ा कर पकड़ा

इसी तरह विजय चौक पर शाम 7रू00 बजे के लगभग लड़कियों से कमेंट करते हुए दो शोहदों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। दोनों की पहचान गोरखनाथ थाना क्षेत्र के नौरंगाबाद निवासी मोहम्मद आकिब और साजिद के रूप में हुई है। दोनों युवक बाजार ए लड़कियों को देखकर गाना गा रहे थे कि कमरिया करें लपालप लॉलीपॉप लागेलू।, दोनों युवकों से डरकर लड़कियां जल्दी से निकल जा रही थी।सूचना मिलने पर पुलिस टीम पहुंची और घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया।आरोपियों के घर वालों को भी करतूत के बारे में बताया गया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

अमेठी,संवाददाता। जिले के रामगंज थाना क्षेत्र के ग्राम गरेड़ियन का पुरवा मौजा गाजीपुर में मिशन शक्ति फेज 05 के तहत एक महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उप निरीक्षक भीमसेन सिंह, महिला कांस्टेबल ज्योति सोनकर और महिला कांस्टेबल रितिका यादव ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। इसमें महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। साथ ही, उन्हें 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और 112 पुलिस आपातकालीन सेवा जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

मनमानी:महानगर के सड़कों के किनारे छोर पर खड़ी वाहनों का बना स्टैंड

- यातायात बाधित होने से लग रही जाम की झाम
- यातायात पुलिस व नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता डरता है दबंगों के फोन से

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। लगातार महानगर की यातायात व्यवस्था बिगड़ती जा रही है जिसका प्रमुख कारण महानगर सड़को के दोनों छोर पर लोगों द्वारा स्टैंड के रूप में वाहनों को खड़ा करने का है।खड़ी वाहनों को हट्वा पाने में यातायात पुलिस व नगर निगम का मशहूर सचल दस्ता पुरी तरह सन्नाटे के साये में सोता है।इन लोगों में दम ही नहीं कि अवैध स्टैंड बना सड़क का दोनों छोर खाली हो और यातायात सुगमता से चल सके। महानगर की सड़कों के दोनो छोर पर खडी स्टैण्ड के रूप में वाहनों को हटवा पाना टेढ़ी खीर हो गया है क्यों कि हटवाने।उठवाने के बाद वाहनों को छोड़ने हेत फोन की घन्टी धनध्नाने का भय सताता है।

मालूम हो कि महानगर में जाम की झाम की समस्या पुरानी है।व्यवस्था एवं निगरानी के जिम्मेदार हटवाने का बोझ नहीं ले पाते है। सूत्रों की माने तो सीएम सीटी है फिर भी लोग यातायात नियम की खुलेआम धज्जी उडाते हैं। क्यों कि उन्हें भय रहता है कि स्टैण्ड के रूप में प्रयोग की जा रही सड़ध्कों की दोनों छोरो से बाहनों का अतिक्रमण यदि हटवाते है तो फोन की घन्टीयां हलचल मचा देगी। भला ऐसे में सड़ध्कों पर अतिक्रमण हटवाना मुश्किल सा दिखता है। मजे की बात है कि सी एम सीटी की यातायात पुलिस व नगर निगम का अतिक्रमणरोधी दस्ता क्या सिर्फ नाम का रह गया है। जैसा कि नगर निगम का अतिक्रमणरोधी दस्ता का खर्च विभाग उठाता है फिर भी दस्ता में तैनात जवान क्यों नहीं आखों के सामने स्टैंड रूपी खड़ी वाहनों को हटवा पाते। ऐसो लापरवाही के कारण आये दिन लगातार जाम की समस्या समाप्त नहीं हो पा रही। दिपावली पर्व के मद्देनजर दूर–दराज से आ रहे लोग सामानों की खरीदारी समय से नहीं कर पाते। वल्कि जाम की झाम में ऊब जाते हैं। ऐसे में देखा जाय तो मोहद्दीपुर, गोलधर ,विजय चौक,पुर्दिलपुर रोड, बैंक रोड,बक्शीपुर,मियां बाजार नखास रेती रोड साहब गंज अलहदादपुर बेतियाहाता रुस्तमपुर रोड धर्मशाला रोड समेत विभिन्न क्षेत्रों की सड़ध्कों पर वाहन स्टैंड बना दिया गया है। सड़कों के छोर पर वाहन स्टैंड बनाकर आवागमन के रास्ते को पतला बना दिया गया है जो विचारणी है।

महरुआ थाने की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, चोरी के दो दिन बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

- पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

अवध नगरी संवाददाता

अम्बेडकरनगर। थाना महरुआ क्षेत्र के ग्राम रामनगर करौं (गौतम नगर) में एक बुजुर्ग महिला के घर चोरी की घटना के बाद पुलिस की लापरवाही सामने आई है। घटना को दो दिन बीत जाने के बावजूद थाना पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता सीता देवी पत्नी स्व. जगजीवन राम ने बताया कि 15 अक्टूबर 2025 की सुबह लगभग 5 बजे वह शौच के लिए बाहर गई थीं। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर का चौनल तोड़कर भीतर प्रवेश किया। जब वह लौटीं तो देखा कि घर का दरवाजा खुला है और बहू के बक्से का ताला टूटा हुआ पड़ा है। उसमें रखे 10 हजार रुपये नकद चोरी हो गए थे। सीता देवी ने बताया कि गांव के ही जगदीश पुत्र स्व. भुन्डे, गरीब पुत्र स्व. बिरजू, अजय और कपूर पुत्रगण जगदीश को घर से भागते हुए देखा गया। इसी दौरान एक आरोपी का मोबाइल फोन मौके पर गिर गया, जिसे लेकर पीड़िता थाना महरुआ पहुंची।

पीड़िता के अनुसार, थानाध्यक्ष ने मोबाइल तो अपने पास रख लिया, लेकिन उन्हें पूरे दिन थाने में बैठाए रखा, बिना किसी कार्रवाई के शाम को यह कहकर भेज दिया कि ष्हम शाम को आएंगेष्। हालांकि, दो दिन गुजर जाने के बाद भी न तो कोई जांच हुई और न ही एफआईआर दर्ज की गई। पीड़िता ने अब पुलिस अधीक्षक अम्बेडकरनगर को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

रोटरी क्लब मिडटाउन ने मनाई "दिल वाली दिवाली"

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। रोटरी क्लब गोरखपुर मिडटाउन द्वारा आयोजित "दिल वाली दिवाली" का भव्य आयोजन ग्रैंड शिप्रा लॉन में पूरे उल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व अध्यक्ष संस्थापक सदस्यों के दीप प्रचलित से हुई।

साथ ही बेटी आरोही द्वारा एक नृत्य प्रस्तुत किया गया और पारुल अग्रवाल ने राम जी का स्वागत नृत्य किया। कार्यक्रम निर्देशक रो. मनोज अग्रवाल,रो.रौनक गोयल,रो. अभिषेक अग्रवाल,रो.रेनू कंदोई,स्वाति गोयल ने की।एक शाम दीपों,खुशियों और मेल–जोल से कार्यक्रम सजी रही,जिसमें रोटरी परिवार के सभी सदस्यों,पूर्व अध्यक्षों,अतिथियों और उनके परिवारजनों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चार्टर नाइट का उत्सव रहा,जिसमें क्लब के सफर और उपलब्धियों को याद करते हुए सभी पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शाम को मस्ती और मनोरंजन से भरपूर बनाने के लिए तंबोला,तोल मोल के बोल और अन्य खेलों का आयोजन किया गया,जिनमें प्रतिभागियों ने खूब आनंद लिया। लकी ड्रा में विजेताओं को आकर्षक उपहार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में स्वादिष्ट व्यंजनों की विशेष व्यवस्था ने सभी के दिल जीत लिए। संगीत,हंसी और रंगों से सजी यह शाम सचमुच "दिल वाली दिवाली" बन गई–जहां दीपों के साथ दिल भी जगमगा उठे। आज के कार्यक्रम में फाउंडर प्रेसिडेंट रो.राजीव शोरीवाल, रो. जगदंबा जायसवाल,रो.अनंत अग्रवाल.रो.अशोक अग्रवाल,रो. नितेन अग्रवाल,रो.अशोक मोदी ,रो.विकास केजरीवाल, रो.अनूप सर्राफ,रो. आशुतोषअग्रवाल,रो.आकाश अग्रवाल,रो.श्याम अग्रवाल,रो.शेखर चंद श्रीवास्तव,रो.संजय रामरायका, रो,वागीश अग्रवाल,विवेक अग्रवाल, रो.विनय जैन,रो .राजकुमार बथवाल,रो.बाल कृष्ण अग्रवाल,रो. त्रिलोक नाथ गुप्ता,रो.रूपम,रो.पदम अग्रवाल,रो.संजय अग्रवाल,रो.मनोज टिबरेवाल, रो.अनूप मोदी,रो.अनिल टिबरेवाल, रो.रश्मि बंका,रो.अर्चना अग्रवाल,रो.रीना अग्रवाल,सचिव शिखा जैन,कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार जैन,मीडिया प्रभारी आनंद कुमार जैन तथा अन्य पदाधिकारीगण एवं सदस्यों की गरिमामई उपस्थिति रही रोटरी क्लब गोरखपुर मिडटाउन की अध्यक्ष अल्पना जैन ने सभी अतिथियों,सदस्यों और मीडिया प्रतिनिधियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को सफल बनाने पर सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।य अधिकारीध्प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे और बिखरते परिवार पर हुई संगोष्ठी

- समाज के प्रहरी बने चिकित्सक और पुलिस अधिकारी हुआ सम्मान
- "हम विकासशील देश हैं,लेकिन सुरक्षित देश भी बनना होगा" : राजेश पांडेय
- "एक व्यक्ति नहीं,पूरा परिवार तबाह हो जाता है"सड़क सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी
- हेलमेट नहीं,बहाने मौत का कारण बनते हैं-एसपी ट्रैफिक
- हादसे नियमों की अनदेखी से होते हैं,सजगता ही सुरक्षा है" : रत्नाकर सिंह
- "दुर्घटना पीड़ित को एक घंटे में अस्पताल पहुंचाना जरूरी" : एसपी उत्तरी जितेन्द्र श्रीवास्तव
- "एक छोटी सी गलती पूरी जिंदगी की कीमत बन सकती है" : एसपी सिटी अभिनव त्यागी

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। शहर के शास्त्री चौक स्थित संकुल भवन में मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के तत्वावधान में "सड़क हादसे और बिखरते परिवार" विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे राजेश पांडेय (आईपीएस),नोडल अधिकारी,पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (यूपीडा)। कार्यक्रम की अध्यक्षता अरविंद राय, अध्यक्ष मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति ने की,जबकि विशिष्ट अतिथियों में एसपी सिटी अभिनव त्यागी,एसपी उत्तरी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव,एसपी ट्रैफिक राजकुमार पांडेय शामिल रहे। इस मौके पर गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नाकर सिंह,गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष रितेश मिश्रा,पूर्व अध्यक्ष एसपी सिंह,पूर्व उपाध्यक्ष अजीत यादव,पूर्व मंत्री ओमकार धर द्विवेदी समेत तीनों पत्रकार संगठनों की कार्यकारिणी, वरिष्ठ पत्रकार,चिकित्सक,समाजसेवी और छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान बचाने वाले डॉ. रवि राय,डॉ.वी.के. सुमन,डॉ.एस.पी. त्रिपाठी तथा उप निरीक्षक पूजा (आईटीएमएस) को समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

इन सभी को "सड़क सुरक्षा प्रहरी सम्मान" प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि राजेश पांडेय एसपी उत्तरी जितेंद्र श्रीवास्तव एसपी सिटी अभिनव त्यागी एसपी ट्रैफिक राजकुमार पांडेय और समिति अध्यक्ष अरविंद राय गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष रत्नाकर सिंह गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब अध्यक्ष रितेश मिश्रा ने सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह देकर इनका उत्साहवर्धन किया।

अध्यक्ष अरविंद राय ने कहा "आज सड़क हादसे समाज के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। कोई व्यक्ति मरता नहीं,पूरा परिवार उजड़ जाता है। चिकित्सकों की भूमिका इन क्षणों में अमूल्य होती है। हाल ही में मेरे भतीजे का एक्सीडेंट हुआ था, लेकिन डॉ.रवि राय ने रात चार बजे आकर उसका ऑपरेशन कर जान बचाई। ऐसे चिकित्सक समाज के लिए आदर्श हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि कुछ दिन पहले प्रयागराज जाते समय उनकी गाड़ी दस फीट गहरी खाई में गिर गई,लेकिन सावधानी और सुरक्षा के कारण सभी लोग सुरक्षित रहे। "हमें हर सफर से पहले वाहन की स्थिति, सीट बेल्ट और ड्राइवर की नींद की जांच जरूर करनी चाहिए। गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नाकर सिंह ने कहा कि हाईवे और एक्सप्रेसवे पर सबसे बड़ी समस्या है गलत दिशा में आने वाले वाहन और सड़कों पर अचानक आ जाने वाले पशु। उन्होंने कहा कि "बस चालक और ट्रक ड्राइवरों को कई बार डबल ड्यूटी करनी पड़ती है। थकान और नींद के कारण हादसे बढ़ रहे हैं। प्रशासन को जांच प्रणाली सख्त करनी चाहिए,और ट्रैफिक पुलिस को सिर्फ चालान काटने तक सीमित न रहकर सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।"

उन्होंने यह भी कहा कि चौराहों पर तैनात ट्रैफिक पुलिस यदि थोड़ी सख्ती और मानवता दोनों के साथ काम करे तो शहर के अधिकांश हादसे रोके जा सकते हैं।

एसपी ट्रैफिक राजकुमार पांडेय ने कहा–"जीवन अमूल्य है।सड़क दुर्घटनाएं अचानक नहीं होतीं,वे हमारी लापरवाही का परिणाम होती हैं। कानून की जितनी जिम्मेदारी पुलिस की है,उतनी ही जनता की भी है। लोग पांच सौ रुपये का चालान भरने को तैयार हैं,लेकिन उतने ही रुपये का हेलमेट खरीदने से हिचकते हैं।"

उन्होंने कहा कि बच्चों के अभिभावक सबसे पहले खुद नियमों का पालन करें और अपने बच्चों को बिना हेलमेट वाहन न चलाने दें। "वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग और तेज रफ्तार दोनों ही सबसे बड़े कारण हैं," उन्होंने कहा।

एसपी उत्तरी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सड़क सुरक्षा पर यह आयोजन किसी सरकारी संस्था को करना चाहिए था,लेकिन पत्रकार समिति ने यह कार्य कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है।

उन्होंने कहा–"अपराध से जितनी मौतें होती हैं,उससे साढ़े चार गुना ज्यादा लोग सड़क दुर्घटनाओं में मरते हैं। लेकिन इन पर न तो वैसी संवेदनशीलता दिखाई जाती है और न ही वैसी चर्चा। हमें समाज में यह संदेश देना चाहिए कि दुर्घटना भी हत्या जितनी गंभीर त्रासदी है।"

उन्होंने कहा कि "गोल्डन ऑवर" यानी दुर्घटना के एक घंटे के भीतर घायल को अस्पताल पहुंचाना जरूरी है। इससे खून का बहाव रुक जाता है और जीवन बच सकता है। "यदि हम 112 या एंबुलेंस को तुरंत सूचना दें तो हर साल सैकड़ों जानें बचाई जा सकती हैं," उन्होंने कहा।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने कहा कि दुर्घटना हमेशा त्रुटियों की देन होती है।

कुछ लोग कहते हैं हेलमेट से बाल खराब हो जाते हैं या सीट बेल्ट से शर्ट की क्रीज बिगड़ जाती है।यह सोच बदलनी होगी। जीवन से बड़ी कोई चीज नहीं।"

उन्होंने शहर के पैडलेगंज और असुरन चौराहों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये ऐसे पॉइंट हैं जहाँ सड़कें कई दिशाओं से आती हैं।"सड़क पार करते समय या ओवरटेक करते समय एक पल की सावधानी हमारी और दूसरों की जान बचा सकती है," उन्होंने कहा।

मुख्य वक्ता और नोडल अधिकारी, पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (यूपीडा) राजेश पांडेय ने कहा कि पत्रकार समिति ने सामाजिक सरोकार का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है,वह सराहनीय है।

उन्होंने बताया कि केवल पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर अब तक 32 करोड़ रुपये का चालान किया जा चुका है "अधिकतर सड़क हादसे नींद या शराब के नशे में वाहन चलाने से होते हैं। एक्सप्रेसवे पर स्पीड लिमिट का पालन नहीं होता। इलाहाबाद में 320 किमी लंबी जाली दोनों ओर लगाई गई है, जिससे 82 प्रतिशत दुर्घटनाएं कम हुई हैं," उन्होंने बताया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अब सड़क सुरक्षा को लेकर राज्यों से जवाब तलब किया है। "हमें यह समझना होगा कि सड़कें चौड़ी हो रही हैं लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही बढ़ रही है। बड़े वाहनों के लिए अलग ट्रैक बनाए जाएं तो हादसे कम हो सकते हैं," उन्होंने सुझाव दिया।

उन्होंने यह भी बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे पर ड्राइवरों की नींद और स्पीड की मॉनिटरिंग के लिए डिजिटल सेंसर लगाए जा रहे हैं। "डेटा कहता है कि हादसों में 80: से ज्यादा मामलों में या तो नींद या नशा शामिल होता है। हमें जनजागरूकता बढ़ानी होगी," उन्होंने कहा।

समिति ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि पत्रकार समिति,प्रेस क्लब और एसोसिएशन मिलकर शहर और जनपद स्तर पर "रोड सेफ्टी जागरूकता अभियान" चलाएंगे।

इसमें स्कूल–कॉलेजों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम,हेलमेट वितरण अभियान और ट्रैफिक नियमों के प्रचार हेतु वॉल पेंटिंग व नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे।

अंत में समिति के अध्यक्ष अरविंद राय ने सभी अतिथियों,अधिकारियों और पत्रकारों का आभार व्यक्त किया और कहा "अगर हम एक जीवन भी बचा पाए तो यह सबसे बड़ा समाजसेवा का कार्य होगा। सड़क सुरक्षा केवल कानून नहीं, संस्कार है। संगोष्ठी में प्रमुख रूप भजन गायक नंदू मिश्रा जर्नलिस्ट प्रेस क्लब मंत्री पंकज श्रीवास्तव उपाध्यक्ष भूपेंद्र द्विवेदी कोषाध्यक्ष प्रिंस पाण्डेय सहायक सूचना अधिकारी प्रशांत श्रीवास्तव नवनीत प्रकाश त्रिपाठी वहाब खान मनौव्वर रिजवी दिग्विजय राय कंचन त्रिपाठी टीपी शाही राम चन्द्र शाही धीरेन्द्र गुप्ता अशोक सिंह रजनीश श्रीवास्तव मान्यता प्राप्त मंत्री सतीश पाण्डेय संजय त्रिपाठी मुकेश पांडेय जय प्रकाश दुबे अरुण मिश्र सूर्य प्रकाश गुप्ता दुर्गेश यादव अभिनव राजन चतुर्वेदी शिवहर्ष द्विवेदी विभव पाठक राम गोपाल द्विवेदी अखलेश पाण्डेय एडी दुबे अजय तिवारी धनेश निषाद संजय कुमार हरेंद्र दुबे दामोदर उपाध्याय प्रेम नारायण भट्ट आशीष भट्ट आशीष मिश्रा मो हुसैन नीतीश गुप्ता सिकंदर यादव संदीप तिवारी गोविंद कुशवाहा सुनय पाण्डेय योगेश यादव पुनीत पांडेय फयाज अहमद रशाद लारी सुभाष गुप्ता फिरोज सुशील कुमार पुस्तकालय मंत्री विनय सिंह प्रेम पराया जेपी गुप्ता धनश्याम कशोधन रवि प्रकाश गुप्ता पार्षद अजय राय अरुण सिंह इशरत शमीम सिद्दकी परवेज अहमद संतोष विनय संजय दुबे दिनेश शुक्ला आलोक श्रीवास्तव अकबर हुसैन दिलीप पटवा तफुजुल (लाडले) सिलवर्धन प्रताप सिंह मंत्री अरुण कुमार सिंह विवेक अस्थाना टी आई मनोज राय सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन मृत्युंजय नवल ने किया।

मनमानी: महानगर के सड़कों के किनारे छोर पर खड़ी वाहनों का बना स्टैंड

- यातायात बाधित होने से लग रही जाम की झाम
- यातायात पुलिस व नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता डरता है दबंगों के फोन से

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। लगातार महानगर की यातायात व्यवस्था बिगड़ती जा रही है जिसका प्रमुख कारण महानगर सड़को के दोनों छोर पर लोगों द्वारा स्टैंड के रूप में वाहनों को खड़ा करने का है।खड़ी वाहनों को हट्वा पाने में यातायात पुलिस व नगर निगम का मशहूर सचल दस्ता पुरी तरह सन्नाटे के साये में सोता है।इन लोगों में दम ही नहीं कि अवैध स्टैंड बना सड़क का दोनों छोर खाली हो और यातायात सुगमता से चल सके। महानगर की सड़कों के दोनो छोर पर खडी स्टैण्ड के रूप में वाहनों को हटवा पाना टेढ़ी खीर हो गया है क्यों कि हटवाने।उठवाने के बाद वाहनों को छोड़ने हेत फोन की घन्टी धनधनाने का भय सताता है।

मालूम हो कि महानगर में जाम की झाम की समस्या पुरानी है।व्यवस्था एवं निगरानी के जिम्मेदार हटवाने का बोझ नहीं ले पाते है। सूत्रों की माने तो सीएम सीटी है फिर भी लोग यातायात नियम की खुलेआम धज्जी उडाते हैं। क्यों कि उन्हें भय रहता है कि स्टैण्ड के रूप में प्रयोग की जा रही सड़घ्कों की दोनों छोरो से बाहनों का अतिक्रमण यदि हटवाते है तो फोन की घन्टीयां हलचल मचा देगी। भला ऐसे में सड़घ्कों पर अतिक्रमण हटवाना मुश्किल सा दिखता है। मजे की बात है कि सी एम सीटी की यातायात पुलिस व नगर निगम का अतिक्रमणरोधी दस्ता क्या सिर्फ नाम का रह गया है। जैसा कि नगर निगम का अतिक्रमणरोधी दस्ता का खर्च विभाग उठाता है फिर भी दस्ता में तैनात जवान क्यों नहीं आखों के सामने स्टैंड रूपी खड़ी वाहनों को हटवा पाते। ऐसो लापरवाही के कारण आये दिन लगातार जाम की समस्या समाप्त नहीं हो पा रही। दिपावली पर्व के मद्देनजर दूर–दराज से आ रहे लोग सामानों की खरीदारी समय से नहीं कर पाते। वल्कि जाम की झाम में ऊब जाते हैं। ऐसे में देखा जाय तो मोहद्दीपुर, गोलधर ,विजय चौक,पुर्दिलपुर रोड, बैंक रोड,बक्शीपुर,मियां बाजार नखास रेती रोड साहब गंज अलहदादपुर बेतियाहाता रुस्तमपुर रोड धर्मशाला रोड समेत विभिन्न क्षेत्रों की सड़घ्कों पर वाहन स्टैंड बना दिया गया है।

गोरखपुर में धूमधाम से मनाया गया ईद-ए-अलीग

सर सैयद जैसी सोच वाले सामाजिक लीडरों की देश को बहुत आवश्यकता–डा0 देवेश वत्स

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। अलीग्स वेलफेयर एसोसियेशन (गवा) के तात्वधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महान शिक्षाविद् एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सय्यद अहमद खान का 208 वां जन्मोत्सव सर सय्यद डे पूरे हर्षो उल्लास के साथ 17 अक्टूगर 2025 को जश्न महल मैरेज हाऊस,निजामपुर,गोरखपुर में मनाया गया। इस वर्ष इन्टीग्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो० जावेद मुर्सरत मुख्य अतिथि,एयर वाईस मार्शल (रि०) डॉ देवेश वत्स व आई.पी.एस.(रि०) डॉ शान्तनु मुखर्जी विशिष्ठ अतिथि रहे। प्रोग्राम रिति अनुसार कुरान पाक की तिलावत से शुरु हुआ। संस्था के अध्यक्ष नुसरत अब्बासी ने अपने उदबोधन में संस्था के उद्देश्यों पर बात करते हुए बताया कि पिछले 3–4 वर्षों में संस्था ने तय दिशा में काफी प्रगति करते हुये अपना एक नाम व मुकाम बना लिया है और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। संस्था के सचिव अब्दुल हई ने संस्था के कार्यों पर अपनी रिपोर्ट पेश की जिसमें बताया गया कि संस्था इसी वर्ष बाकायदा पंजीकृत कराई जा चुकी है तथा उसका पैन कार्ड इत्यादि जारी हो चुका है।साथ ही संस्था की वेबसाईट ब्ल्यू.अमूओबा–जीकेपी.कॉम 15 अगस्त 2025 को लॉच की जा चुकी है और संस्था की सभी जानकारी उसपर उपलब्ध है। संस्था द्वारा ष्आहे फलहष् नाम से एक कैरयिर काउन्सेलिंग वर्कशाप भी चलाया जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथी प्रो० जावेद मुर्सरत ने अपने उद्बोधन में गवा के कार्यो की सराहना करते हुये कहा कि उन्हें खुशी है कि गोरखपुर में अलीग्स बड़े संगठित ढंग से काम कर रहे हैं जिसकी वजह से उनकी सफलता एक तरह से निश्चित है। विशिष्ठ अतिथि एयर वाईस मार्शल (रि०) डॉ देवेश वत्स ने नई तकनीकों और ग्लोबल सोच पर जोर देते हुये संस्था द्वारा वेबसाईट बनाकर काम करने को अति उत्तम बताया। डॉ शान्तनु मुखर्जी ने सर सैयद की प्रगतिशील सोच के दूर्गामी प्रभाव के असर को ए.एम.यू.की सफलता का श्रेय देते हुए कहा कि आज फिर एक सर सैयद जैसी सोच वाले सामाजिक लीडरों की देश को

बहुत आवश्यकता है और उन्हें उम्मीद है की जल्द ही कोई न कोई आगे आयेगा।बस जरुरत है सर सैयद के दिखाए गए रास्ते पर चलते रहने की। तीनों ही अतिथियों ने अवश्वासन दिया कि संस्था की प्रगति और विकास के लिये उसे जो भी मदद चाहिये होगी उसे प्रदान कराने की वो पूरी कोशिश करते रहेंगे।

कार्यक्रम में संस्था के स्वर्गीय सदस्यों को खिराजे अकीदत पेश किया गया। पिछले वर्ष शुरु की गई प्रथा को आगे बढ़ाते हुये संस्था ने (स्व०) हकीम मुहम्मद अहमद साहब को ष्लाईफटाईम एचीवमेन्ट अवॉर्डष् से सम्मानित किया। इसी श्रृंखला में संस्था द्वारा सैयद हबीबुल्लाह साहब,संस्थापक पैसेफिक ग्रुप,डॉ रहमत अली सर्जन व शुजात खाँ समाज सेवी को ष्गवा एक्सिलेन्स अवॉर्डष् देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में गोरखपुर के लगभग 300 अलीग्स के साथ ही तमाम गणमान्य उपस्थित रहे जिनमें मुख्य तौर पर डॉ अजीज अहमद,डॉ अब्दुल हई कासमी,ई० ऐजाज आलम,मोहसिन मारुफी,राजिक अली,वसी अहमद,अनम अजीज,फारेहा नसरीन,समीना अहमद,मारिया कैस,तलत अजीज,यासमीन,ई० शम्स अनवर,सैफ,आदि मौजूद रहे। प्रोग्राम का समापन रिति अनुसार अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के तराने व डिनर से सम्पन्न हुआ।

एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की हुई समीक्षा,आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया निरीक्षण

सीएमओ ने हाई रिस्क एरिया और हाई रिस्क समूहों में एड्स जांच करवाने पर दिया विशेष जोर

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। जिला क्षय रोग केंद्र में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश झा की अध्यक्षता में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा की गई।इस दौरान सीएमओ ने हाई रिस्क एरिया और हाई रिस्क समूहों में एड्स जांच करवाने पर विशेष जोर दिया।इससे पहले उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर वनटांगिया ग्राम और लहसड़ी का निरीक्षण किया एवं दी जा रही सेवाओं का मुआयना किया।

एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान सीएमओ डॉ झा ने कहा कि दीपावली से लेकर छठ पर्व के बीच प्रवासियों के आगमन को देखते हुए नये मरीजों को ढूंढने पर ध्यान देना होगा।हाई रिस्क समूहों से मरीज ढूंढने के साथ–साथ समाज में यह संदेश देने की आवश्यकता है कि एड्स छुआछूत की बीमारी नहीं है। इस बीमारी के साथ भी मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं।नए मरीजों को उपलब्ध सेवाओं की जानकारी प्रदान करें और उन्हें सरकार की सम्बन्धित योजनाओं से जोड़ें।एड्स की संक्रमण चेन तोड़ने पर भी हमारा जोर होना चाहिए और इसमें जनजागरूकता की अहम भूमिका है। बैठक का आयोजन सृष्टि सेवा संस्थान के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ नंदलाल कुशवाहा,उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ विराट स्वरूप श्रीवास्तव,डीपीसी धर्मवीर प्रताप सिंह,पीपीएम समन्वयक अभय नारायण मिश्र और टीवी एचआईवी कोआर्डिनेटर राजेश सिंह सहित सभी ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्यकर्मी और काउंसलर मौजूद रहे। इससे पहले वनटांगिया गांव पहुंचे सीएमओ डॉ झा ने वहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध दवाओं और प्रतिदिन की ओपीडी की जानकारी ली।स्थानीय लोगों से उन्होंने केंद्र संचालन के बारे में फीडबैक भी प्राप्त किया। इस दौरान स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी मनोज कुमार भी उनके साथ मौजूद रहे।

इसी क्रम में लहसड़ी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंच कर सीएमओ ने पिंक कार्ड कैम्पेन की जानकारी ली। उन्होंने सीएचओ को निर्देश दिया कि तीस वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला की हेल्थ स्क्रिनिंग कर पिंक कार्ड अवश्य जारी करें। इस अवसर पर खोराबार पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ ओबेदुल हक,डीसीपीएम रिपुंजय पांडेय और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी और स्थानीय ग्राम प्रधान भी मौजूद रहे।

साहित्य साधना काशी मंच की आन लाइन कवि गोष्ठी में तखलीक-ए-अरुण पुस्तक का हुआ विमोचन

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। विश्व शांति मिशन से संबद्ध साहित्य साधना काशी मंच पर आभासी कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय शुभकामनायें रखा गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पटल की संचालिका के द्वारा माँ वीणावादिनी की सुंदर वंदना से किया गया,कार्यक्रम का आयोजन अरुण कुमार श्री वास्तव की पुस्तक ष्तखलीक–ए–अरुणष् के प्रकाशन के उपलक्ष मे शुभकामना विषय पर आधारित था।

उपस्थित सभी काव्य मनीषियों ने अपने सुंदर काव्य पाठ द्वारा मंच को ऊंचाई प्रदान की।गोष्ठी में उपस्थित कवि गण मीरा माधवी ने पढा,श्री पति रस्तोगी ने पढाष्,राम अवतार शर्मा,ललित तिवारी संजीदा खानम शाहीन,राम निवास तिवारी,राम अवतार शर्मा,सतीश शिकारी,कनक लता गौर ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी।ओमप्रकाश खरे अपनी बात कुछ यूं कही.खालिद हुसैन सिद्दीकी ने अपने जज्बात सुनाई। अरुण कुमार श्रीवास्तव ने पढा–पत्थर न फेक मेरी तरफ यूं उछाल कर,सुंदर काव्य पाठ किया। प्रेमलता रसबिंदु ने दुनिया पर बहुत सुंदर काव्य पाठ किया।

कार्यक्रम का संचालन आदरणीय आलोक कुमार यादव व प्रेमलता रसबिंदु द्वारा किया गया। पटल की संरक्षिका सरोज विश्वकर्मा नलिनी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और कार्यक्रम का समापन पटल के अध्यक्ष आदरणीय अरुण कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंत में आदरणीय। संचालिका प्रेमलता रसबिन्दु ने सभी काव्य मनीषियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।पटल के अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की गजल संग्रह के प्रकाशन के शुभ अवसर पर शुभकामनायें विषय पर आधारित बहुत ही सुंदर–सुंदर मनमोहक गीत सभी काव्य मनीषियों ने पढ़े।

हाय रे स्वास्थ्य विभाग-अब होमियोपैथिक डाक्टर कराते हैं, महिलाओं के प्रसव कार्य, देते हैं, इमरजेंसी सेवा

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। नगर पंचायत घघसरा के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ठर्रापार में महिलाओं का प्रसव व इमरजेंसी सेवा होमियोपैथिक डाक्टरों से कराई जा रही है। मजे की बात यह है कि–महिलाओं के प्रसव उपरांत उसके प्रोत्साहन कागजात कार्य (बी एस टी) भी उन्हीं की हस्ताक्षर से की जा रही है।यदि कोई महिला उनके कार्य में हस्ताक्षेप करता है,तो रेफर की धमकी देकर उसे चुप करा दी जाती हैं। गरीब महिलाओं की आवाज दबाने में डाक्टरों गुर्गे भी सहयोग करते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठर्रापार द्वारा क्षेत्र की कुल तकरीबन–एक लाख पैंतालीस हजार लोगों सेवा दी जाती है। इस चिकित्सालय पर पड़ोस के जिले संत कबीर नगर व महाराजगंज जिले से लोग अपनी दावा करने आते रहते हैं।देखा जाय,तो एक माह में तकरीबन 150 से लेकर 200 डिलीवरी कार्य होती है।डाक्टर के नाम पर सीएचसी ठर्रापार मुख्यालय पर तकरीबन 42 कर्मचारी तैनात है।जिसमें चार की संख्या में एमबीबीएस डाक्टर व एक बीए एम एस डाक्टर मौजूद हैं, जिसमें दो महिला डाक्टर हैं। कोई भी एमबीबीएस डॉक्टर रात्रि निवास नहीं करता है।इसके बावजूद भी महिलाओं के प्रसव हेतु कोई भी गईनी की तैनात नहीं की गयी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आधी आबादी की सेवा नाम मात्र की है। डिलीवरी का सभी कार्य–बोझ मात्र चार स्टाफ नर्सों कंधों पर है। भारी दबाव में रहती हैं।नाम न छापने की शर्त पर बताया सभी बताईं कि–एम बी बी एस डॉक्टर साथ मौजूद न रहने से हमें खाली पन महसूस होता है। कभी–कभी तो भारी मुश्किल में पड़ जाती हैं कि यदि माँ के पेट में बच्चा उल्टा हो गया। प्रसव के बाद खून का बहाव बंद नहीं हुआ ,तो जच्चा बच्चा खतरे में पड़ जाते हैं। सीजेरियन व्यवस्था न होने से मुश्किल का अंदाजा लगाया जा सकता है। कभी–कभी तत्काल रेफर में भारी कठिनाई आ जाती है। एंबुलेंस का पास नहीं मिलता या बहुत देर में मिलता है।खामियाजा तो मरीज को ही भूगतना पड़ता है। उक्त संदर्भ में–सीएमओ गोरखपुर राजेश झा ने कहा कि–होमियोपैथिक डाक्टर प्रसव नहीं करा सकते हैं। उन्हें अधिकार नहीं है। इमरजेंसी सेवा में भी एमबीबीएस डॉक्टर का होना अनिवार्य है।प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए हम इसकी जांच करेंगे।

जन स्वास्थ्य रक्षक कम्युनिटी हेल्थ वर्कर्स को पुनः सेवा अवसर देने हेतु रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

संवाददाता, लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर प्रदेश में कार्यरत जन स्वास्थ्य रक्षकों (कम्युनिटी हेल्थ वर्कर्स) को स्वास्थ्य विभाग में पुनः समायोजित किए जाने की मांग की है। डॉ. राय ने पत्र में उल्लेख किया है कि वर्ष 1977 में शुरू हुई यह योजना ग्रामीण जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आरंभ की गई थी, जिसके तहत प्रदेशभर में हजारों जन स्वास्थ्य रक्षकों की नियुक्ति की गई थी। उन्होंने बताया कि इन कार्यकर्ताओं ने दशकों तक अपने सेवा भाव और लगन से ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में अहम भूमिका निभाई।

दुबौला चौराहे पर प्रतिष्ठा इलेक्ट्रॉनिक दुकान का भव्य उद्घाटन स्थानीय स्तर पर सभी सामान उचित रेट पर उपलब्ध है

अवध नगरी संवाददाता

दुबौला, बस्ती। दीपावली के पावन पर्व से दो दिन पूर्व, अर्थात 17 अक्टूबर को, दुबौला चौराहे पर नवीन प्रतिष्ठा इलेक्ट्रॉनिक दुकान का उद्घाटन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर फीता काटकर तथा दीप प्रज्वलित कर दुकान का विधिवत उद्घाटन किया। यह आयोजन स्थानीय क्षेत्र में उत्साह और उमंग का प्रतीक बन गया, जहां दीपावली की तैयारियों के बीच इलेक्ट्रॉनिक सामानों की नई दुकान ने लोगों को आकर्षित किया। समारोह में भारी संख्या में स्थानीय निवासी, क्षेत्रवासी, व्यापारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दुकान के

आसपास का वातावरण उत्सवमय हो गया, जहां लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और नए व्यवसाय की सफलता की कामना की। उद्घाटन के बाद उपस्थित जनसमूह ने दुकान का अवलोकन किया और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की सराहना की। दुकान के मालिक कल्पनाथ ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उनकी दुकान में उचित और प्रतिस्पर्धी दरों पर सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सामान उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, ष्हमारे यहां टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, मोबाइल फोन, कूलर, पंखे, इंडक्शन, टुल्लू पंप, मोटर, इनवर्टर, बैट्री, फैंसी लाइट, सोलर पैनल और अन्य घरेलू उपकरणों की विस्तृत रेंज मौजूद है। ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद सस्ते दामों पर मिलेंगे, साथ ही वारंटी और आफ्टर सेल्स सर्विस की पूरी गारंटी है। दीपावली के अवसर पर विशेष छूट और ऑफर भी दिए जा रहे हैं, ताकि हर परिवार अपनी जरूरतें पूरी कर सके।

कल्पनाथ ने आगे कहा कि यह दुकान स्थानीय जरूरतो को पूरा करेगी और रोजगार सृजन में योगदान देगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्याम सुंदर, विकास, संजीत, शिवकुमार, हीरालाल, राजकुमार पांडे, राजवन्त, स्वामीनाथ यादव, राजेश यादव, गुड्डू सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इन सभी ने दुकान मालिक को बधाई दी और क्षेत्र में ऐसे नए उद्यमों की प्रशंसा की। भाजपा नेता सुशील सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे छोटे व्यवसाय स्थानीय विकास की रीढ़ हैं और मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत योजना से प्रेरित होकर ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश का पर्व हर घर में खुशहाली लाए। प्रतिष्ठा इलेक्ट्रॉनिक का उद्घाटन न केवल एक व्यावसायिक घटना था, बल्कि स्थानीय समुदाय की एकजुटता का प्रतीक भी बना। दुकान के खुलने से क्षेत्रवासियों को अब दूर-दराज जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और धन की बचत होगी। दीपावली के मौके पर यह नई शुरुआत क्षेत्र में उत्सव की रौनक को और बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि प्रतिष्ठा इलेक्ट्रॉनिक दुकान जल्द ही क्षेत्र की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक सप्लायर बनेगी।

दीपावली का जश्न : रंगोली और दीप प्रज्वलन का आयोजन

अवध नगरी संवाददाता

हरैया (बस्ती)।-हरैया विकास क्षेत्र के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय उभाई में दीपावली के अवसर पर रंगोली और दीप प्रज्वलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कला अध्यापिका सुमन त्रिपाठी की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रधानाध्यापक विद्यासागर वर्मा की अध्यक्षता में गठित निर्णायक समिति ने विजेताओं का चयन किया। समिति के सदस्यों में देवेन्द्र कुमार, उत्तम वर्मा, विमलेन्द्र वर्मा और रामशरन गुप्ता शामिल थे।कक्षा 7 की आयुषी, नन्दनी, खुशी, नेहा, शिल्पी, पिंकी और मधु प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा

6 की अनन्या पाण्डेय, अनन्या अग्रहरि, रीतिका, क्षमा, उमा, प्रियोशी और शीतल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8 की अर्चना, दीपिका, शिवानी, शामिती, शालू, पूर्णिमा और अनु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों ने विजेताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दीपावली के महत्व को समझा।

परंपरागत त्योहारों में व्यापारियों को परेशान न करे प्रशासन : विवेकानन्द मिश्र

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती।- शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी बस्ती के जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी बस्ती एवं पुलिस अधीक्षक बस्ती से वार्ता की। उन्होंने कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पटाखा विक्रेताओं के साथ की जा रही प्रशासनिक कार्यवाही पर चिंता व्यक्त की।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई के चलते कई छोटे पटाखा विक्रेताओं की दुकानें जब्त की जा रही हैं, जिससे इन छोटे व्यापारियों का व्यवसाय ठप होने की कगार पर है। इससे एक ओर जहां इन लोगों की आजीविका पर

संकट उत्पन्न हो गया है, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ताओं को भी दीपावली की खरीदारी में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के लोग परंपरागत रूप से अपने निकटवर्ती बाजारों से ही पटाखे खरीदते आए हैं। लेकिन अब प्रशासन द्वारा निर्धारित सीमित केंद्रों पर पटाखा बिक्री की व्यवस्था किए जाने से दूर-दराज के लोगों को बस्ती मुख्यालय आकर पटाखे खरीदना अत्यंत कठिन कार्य हो गया है। इससे त्योहार का उल्लास प्रभावित होने की संभावना है।

जिलाध्यक्ष श्री मिश्र ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से कहा कि प्रशासनिक सख्ती की आड़ में छोटे व्यापारियों का शोषण न हो तथा लाइसेंसधारी पटाखा विक्रेताओं को नियमों के दायरे में व्यापार करने की अनुमति दी जाए।

इस पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय ने विषय की गंभीरता को स्वीकार करते हुए शीघ्र समाधान निकालने का आश्वासन दिया है, ताकि दीपावली का पर्व शांतिपूर्वक, सुरक्षित एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया जा सके और छोटे व्यापारी भी सम्मानपूर्वक अपनी जीविका चला सकें।

सीडीपीओ बलराम सिंह की अगुवाई में गौर ब्लाक में संपन्न हुआ पोषण पखवाड़ा, जिला कार्यक्रम अधिकारी ने की तारीफ

अवध नगरी संवाददाता

गौर, बस्ती।- बाल विकास परियोजना गौर के सौजन्य से पोषण माह के समापन अवसर पर ब्लॉक सभागार में एक विशाल पोषण चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख जटाशंकर शुक्ला और विशिष्ट अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार थे। कार्यक्रम का संचालन सीडीपीओ बलराम सिंह ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत पोषण कलश के दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ती मीना सिंह ने पोषण गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार ने पोषण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए निर्देश दिए कि अपने सर्वे क्षेत्रों में कुपोषित बच्चों की खोज करें, उनकी स्वास्थ्य जांच कराएं और छह प्रकार की दवाएं उपलब्ध कराएं। रेफर किए गए बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती

कराकर कुपोषण के चक्र से मुक्त कराएं। खंड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने सीडीपीओ की सराहना करते हुए कहा कि यहां के कर्मचारी मनोयोग से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि कुपोषित बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं ब्लॉक स्तर से मुहैया कराई जाएंगी। ब्लॉक प्रमुख जटाशंकर शुक्ला ने सीडीपीओ और मुख्य सेविका की तारीफ की तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी से गौर ब्लॉक पर विशेष ध्यान देने का निवेदन किया। उन्होंने कुपोषण मुक्त बस्ती बनाने के लिए सभी विभागों के कर्मचारियों से दायित्व निभाने और समस्याओं के समाधान में सहयोग की अपील की। सीडीपीओ बलराम सिंह ने अतिथियों का सम्मान करते हुए आश्वासन दिया कि संसाधनों का संचित उपयोग कर गौर ब्लॉक को नंबर एक पर स्थापित करने का प्रयास जारी रहेगा। चौपाल में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन भी संपन्न हुआ। अतिथियों ने स्टॉल और रंगोली का निरीक्षण किया तथा कुपोषण के खिलाफ जंग पर बनी रंगोली की जमकर प्रशंसा की। मुख्य सेविका गीता सिंह, कामिनी कुमारी तथा नवचयनित मुख्य सेविकाओं अंकित वर्मा, पूजा मिश्रा, सीलम शुक्ला, निशा पांडे, आशा वर्मा और कमलावती वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मुख्य अतिथियों ने नई मुख्य सेविकाओं का उत्साह बढ़ाया और कार्यक्रम की सफलता के लिए बलराम सिंह तथा गीता सिंह की सराहना की। रॉकेट लर्निंग संस्था के ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव की मेहनत को रेखांकित करते हुए सीडीपीओ ने बताया कि इससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। संस्था ने 15 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्राम पंचायत और ग्राम विकास विभाग के पदाधिकारी, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कर्मी तथा क्षेत्रीय जनसमुदाय बड़ी संख्या में उपस्थित रहा। सूक्ष्म जलपान के बाद आभार व्यक्त कर समापन हुआ। यह आयोजन कुपोषण उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बलराम सिंह की नेतृत्व की सराहना :कुपोषण मुक्त अभियान में गौर ब्लॉक की चौपाल बनी मिसाल

अवध नगरी संवाददाता

गौर, बस्ती।- बाल विकास परियोजना गौर के सौजन्य से पोषण माह के समापन अवसर पर ब्लॉक सभागार में एक विशाल पोषण चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख जटाशंकर शुक्ला और विशिष्ट अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार थे। कार्यक्रम का संचालन सीडीपीओ बलराम सिंह ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत पोषण कलश के दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ती मीना सिंह ने पोषण गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार ने पोषण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए निर्देश दिए कि अपने सर्वे क्षेत्रों में कुपोषित बच्चों की खोज करें, उनकी स्वास्थ्य जांच कराएं और छह प्रकार की दवाएं उपलब्ध कराएं। रेफर किए गए बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराकर कुपोषण के चक्र से मुक्त कराएं। खंड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने सीडीपीओ की सराहना करते हुए कहा कि यहां के कर्मचारी मनोयोग से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि कुपोषित बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं ब्लॉक स्तर से मुहैया कराई जाएंगी। ब्लॉक प्रमुख जटाशंकर शुक्ला ने सीडीपीओ और मुख्य सेविका की तारीफ की तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी से गौर ब्लॉक पर विशेष ध्यान देने का निवेदन किया। उन्होंने कुपोषण मुक्त बस्ती बनाने के लिए सभी विभागों के कर्मचारियों से दायित्व निभाने और समस्याओं के समाधान में सहयोग की अपील की। सीडीपीओ बलराम सिंह ने अतिथियों का सम्मान करते हुए आश्वासन दिया कि संसाधनों का संचित उपयोग कर गौर ब्लॉक को नंबर एक पर स्थापित करने का प्रयास जारी रहेगा। चौपाल में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन भी संपन्न हुआ। अतिथियों ने स्टॉल और रंगोली का निरीक्षण किया तथा कुपोषण के खिलाफ जंग पर बनी रंगोली की जमकर प्रशंसा की। मुख्य सेविका गीता सिंह, कामिनी कुमारी तथा नवचयनित मुख्य सेविकाओं अंकित वर्मा, पूजा मिश्रा, सीलम शुक्ला, निशा पांडे, आशा वर्मा और कमलावती वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मुख्य अतिथियों ने नई मुख्य सेविकाओं का उत्साह बढ़ाया और कार्यक्रम की सफलता के लिए बलराम सिंह तथा गीता सिंह की सराहना की। रॉकेट लर्निंग संस्था के ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव की मेहनत को रेखांकित करते हुए सीडीपीओ ने बताया कि इससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। संस्था ने 15 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्राम पंचायत और ग्राम विकास विभाग के पदाधिकारी, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कर्मी तथा क्षेत्रीय जनसमुदाय बड़ी संख्या में उपस्थित रहा। सूक्ष्म जलपान के बाद आभार व्यक्त कर समापन हुआ। यह आयोजन कुपोषण उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

पटाखों से जलने या अन्य कोई दुर्घटना होने पर डायल करें १०८

अवध नगरी संवाददाता, बस्ती।- दिवाली के मौके पर 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवाएं एक कॉल पर उपलब्ध रहेंगी। एम्बुलेंस सेवा प्रदाता संस्था ने सभी एम्बुलेंसों को 24 घंटे अलर्ट रहने और आवश्यक्ता पड़ने पर जल्द से जल्द मरीज को सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में 108 एम्बुलेंस 24 घंटे लोगों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगी। कोई भी व्यक्ति 108 नम्बर पर कॉल करके एम्बुलेंस सेवा का लाभ ले सकता है। उत्तर प्रदेश में 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवा प्रदाता संस्था ईएमआईआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के प्रोग्राम मैनेजर राजन विश्वकर्मा ने बताया कि दिवाली पर बस्ती जिले में 108 की 34 एंबुलेंस और 102 एंबुलेंस सेवा की 35 एंबुलेंस मरीजों की सेवा के लिए 24 घंटे तैयार रहेंगी। आवश्यकता पड़ने पर मरीजों जल्द से जल्द एंबुलेंस उपलब्ध कराने के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

किसान का बेटा यूपीएससी सीडीएस की परीक्षा पास कर बना आर्मी लेफ्टीनेंट शुभचिंतकों ने लड्डू खिलाकर दिया बधाई

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती- विकास क्षेत्र साऊंघाट की ग्राम पंचायत दरौली के युवक शैलेष कुमार चौधरी पुत्र रामबहाल चौधरी ने यूपीएससी सीडीएस की परीक्षा में 69 वीं रैंक लाकर आर्मी लेफ्टीनेंट के पद पर चयन हुआ हैं। इसके इस उपलब्धि पर जहॉ घर में उत्सव का माहौल हैं, वहीं समाजसेवी इंद्रेश चौधरी, राजेश चौधरी, प्रदीप चौधरी राना, शिवकुमार चौधरी, सूरज चौधरी, विवेक चौधरी, दूधनाथ पटेल और अन्य शुभ चिंतकों ने शैलेश चौधरी को लड्डू खिलाकर कर बधाई दिया हैं। शैलेष मुलतः एक किसान का बेटा हैं। ग्रेजुएशन करने के बाद घर पर ही रहकर यूपीएससी सीडीएस की तैयारी किया हैं। इस परीक्षा में लगातार सात बार असफलता

खाने के बाद भी अपने उददेश्य पर अडिग रहा। आठवीं बार सफलता लगी, पर अधिक रैंक होने के कारण चयन नहीं हो पाया। फिर भी हार नहीं माना और नौवीं बार में 69 वीं रैंक लाकर सफलता प्राप्त कर लिया हैं। शैलेष ने बताया कि पिता जी बार बार कहा करते थे कि असफलता ही सफलता की कुंजी है। कहा कि परिवार के इस सहयोग से ही इस सफलता को प्राप्त किया हूँ। समाजसेवी इंद्रेश चौधरी, राजेश चौधरी, प्रदीप चौधरी राना, शिवकुमार चौधरी, सूरज चौधरी, विवेक चौधरी, दूधनाथ पटेल ने कहा कि शैलेष की यह सफलता गांव के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इससे साबित होता है कि संघर्ष, धैर्य और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को पाया जा सकता है।

स्काउट गाइड कार्यकारिणी की बैठक में जम्बुरी को भव्य बनाने पर जोर

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती।- भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश जनपद बस्ती की कार्यकारिणी की बैठक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय सभागार में जिला विद्यालय निरीक्षक के दिशा निर्देश पर एडल्ट रिसोर्स स्काउट डॉ हरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, स्काउट गाइड प्रार्थना से शुरू हुई बैठक में जनपद में स्काउटिंग के विस्तार और विकास पर चर्चा हुई, डॉ हरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्काउटिंग समयबद्धता से पूरा किया जाने वाला एक मिशन है, बैठक का संचालन करते हुए लीडर ट्रेनर डॉ कुलदीप सिंह ने कहा कि प्रदेश द्वारा दिये गए लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सभी को एक टीम के रूप अपमे दायित्वों का निर्वहन करते रहने की जरूरत है, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त बस्ती मंडल राकेश कुमार सैनी, स्काउट, डॉ सुरभि सिंह एडल्ट रिसोर्स आयुक्त गाइड, हरिराम बंसल जिला स्काउट कमिश्नर, जिला गाइड कमिश्नर संविला चौधरी, कोषाध्यक्ष विद्याधर वर्मा, डॉ कुलदीप सिंह, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट भूपेश कुमार सिंह, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड सत्या पाण्डेय, जिला संगठन कमिश्नर प्रताप शंकर पाण्डेय, सहायक लीडर ट्रेनर अमरचंद वर्मा, स्काउट मास्टर बीपी आनंद, गाइड कैप्टन बेगम खैर अलका पाण्डेय, आर्य कन्या इंटर कॉलेज सरिता यादव, यूथ कमेटी अध्यक्ष आदर्श मिश्रा, सचिव विजय कुमार, नंदिनी, गरिमा, चांदनी, संजना, संजना कुमारी, प्रियंका आदि लोग मौजूद रहे।

कौशल रथ से बस्ती के बस्ती के बच्चों में आएगी आत्मनिर्भर, संवरेगा भविष्य

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती।- बस्ती के युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भेजे गए कौशल रथ को राजकीय इंटर कॉलेज बस्ती से विश्व प्रख्यात मनोचिकित्सा डॉ अशोक प्रसाद, डीएम रवीश गुप्ता और राजमाता आशिमा सिंह ने कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य अतिथि डॉ अशोक प्रसाद ने कहा कि ऐश्वर्या राज सिंह के प्रयास से कौशल मंत्रालय ने बस्ती के युवाओं को सरकार के महत्वाकांक्षी योजना कौशल विकास से जोड़ने के लिए कौशल रथ यहाँ आया है, जिसका फायदा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, कहा कि नेपोलियन ने कहा था ष्कोई देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता जब तक उसके नागरिक शिक्षित ना हो जाएष्इसलिए हमें शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम का

लाभ उठाकर बस्ती के बच्चे भी निशुल्क कंप्यूटर का प्रशिक्षण ले सकते है, कौशल मंत्रालय का यह कदम बस्ती के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डीएम रवीश गुप्ता ने कहा कि कौशल रथ एक विशेष रूप से निर्मित मोबाइल स्किल ट्रेनिंग बस है, जिससे हमारे जिले के दूर दराज और ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को भी कौशल विकास से जुड़ने का अवसर मिलेगा। मंत्रालय के सराहनीय कदम से बस्ती के बच्चों में भी स्किल डेवलपमेंट होगा। पूर्व रेल अधिकारी राजमाता आशिमा सिंह कहा कि कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय को धन्यवाद देते हुए कहा कि देश का यह चौथा जिला है जहां पर कौशल रथ आया है, यहां पर प्रशिक्षण ग्रहण करने वाले बच्चों को और आगे की पढ़ाई के लिए भी मंत्रालय से आग्रह किया जाएगा, साथ ही कंप्यूटर के अलावा और भी टेडो में प्रशिक्षण के लिए मंत्रालय से वार्ता किया जाएगा जिससे बस्ती के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल गए और बस्ती के बच्चों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिले। ऐश्वर्य राज सिंह ने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी का धन्यवाद दिया, कहा कि मंत्री जी के इस सराहनीय कदम से बस्ती के दूरदराज एवं ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी कौशल विकास करने का अवसर मिलेगा। कौशल रथ अगले 1 साल तक बस्ती में रहने वाला है जिससे लगभग 5000 बच्चों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर भारत जोड़ा जाएगा। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय से कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर प्रणव रंजन ने कौशल रथ के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य कौशल रथ बस्ती आया है, इसका लाभ बस्ती के युवाओं को भरपूर तरीके से उठाना चाहिए। हमारी पांच सदस्य टीम रथ के साथ पूरे 1 साल तक रहेगी, हमारा लक्ष्य है की बस्ती के कम से कम 3200 लोगों को प्रशिक्षित कर लें, इसमे 14 वर्ष से अधिक उम्र के लोग अपना रजिस्ट्रेशन निशुल्क कर सकते हैं। घर पर प्रशिक्षु को एक हफ्ते की ट्रेनिंग दी जाएगी इसके बाद मंत्रालय द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

इस अवसर पर प्रिंसिपल जीआईसी विजय प्रकाश वर्मा, सौरभ श्रीनेत, प्रिंसिपल आईटीआई गोविंद कुमार, विवेक चौधरी, राधेश्याम चौधरी, विवेक गिरोत्र, दिवान चंद पटेल, रोमी कौल, राजेश सिंह, विनय गुप्ता, बब्बू खान, अतुल सिंह, सरदार सरबजीत सिंह, चंद्र भाषण सिंह, रंजीत सिंह, तकसीर अहमद, डब्लू सोनकर, वाकास अहमद, महिपाल पटेल, अमित सिंह, अरुणेंद्र पटेल, सईद रहमान, उदय भान सिंह, सुनील पांडे, अमीर इंद्र बहादुर यादव, रवि तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

एक नायाब साल

पहली नजर में बड़े पद की चमक-दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी-जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती-जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई. पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से २१ सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को पचास-पचास गज व छोटे गांवों में सौ-सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये २५ गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई-ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है।

जोहो से फायदा या उलझन

इस साल लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। इसके बाद कई और मंचों से उन्होंने यही आग्रह किया कि हमें आत्मनिर्भर होना है तो विदेशी वस्तुओं का त्याग करना पड़ेगा। हालांकि यह त्याग केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रहा, अब तकनीकी में भी स्वदेशी पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने जानकारी दी कि उनका ईमेल अब जोहो पर शिफ्ट हो गया है। उनके अलावा कई और केन्द्रीय मंत्री और केन्द्रीय एजेंसियों के करीब 12 लाख कर्मचारियों के ईमेल सरकारी एनआईसी. इन से हटाकर प्राइवेट कंपनी जोहो पर शिफ्ट हो गये। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय भी शामिल है। डोमेन तो एनआईसी.इन या जीओवी.इन ही है, लेकिन स्टोरेज, एक्सेस और प्रोसेसिंग सब जोहो के जिम्मे रहेगा। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 3 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी किया कि जोहो सूट का इस्तेमाल करो। तकनीकी में स्वदेशी का इस्तेमाल खुशी की बात है। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस दिशा में अनुकरणीय काम किया है। और उनसे भी पहले 1976 में, जिस साल को केवल आपातकाल के लिए याद किया जाता है, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) की स्थापना की थी, जो डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस का आधार बनी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एनआईसी भारत सरकार का प्रमुख आई टी संगठन है। एनआईसी ने डिजिटल क्रांति को संभव बनाया, लेकिन क्या अब इसे भी स्वदेशी के नाम पर तिलांजलि दी जा रही है, जबकि यह सच्चा स्वदेशी है। क्योंकि यह सरकारी उपक्रम है। जबकि जोहो एक निजी उपक्रम है, गूगल की तरह ही अगर सरकार को लगता है कि गूगल पर सब कुछ उपलब्ध होने से निजता का खतरा रहेगा, तो जोहो के साथ भी वही खतरा बरकरार रहेगा। बता दें कि 2022 में हैकर्स ने एम्स के 5 सर्वर और 1.3 टीबी से ज्यादा डेटा पर कब्जा कर लिया था। इससे सरकार को काफी नुकसान हुआ। तभी यह बात चली कि स्वदेशी संचार तंत्र होता तो ऐसा नहीं होता। इसके बाद स्वदेशी संचार तंत्र की तलाश में 2023 में केंद्रीय सूचना मंत्रालय ने सुरक्षित मेल सेवाएं देने के लिए टेंडर निकाले। टेंडर जोहो मेल ने जीता। नेशनल इंफॉर्मेटिक सेंटर ने 20 गोपनीय सुरक्षा मापदंडों पर जोहो मेल का ऑडिट किया। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसी सुरक्षा एजेंसियों ने जोहो की स्वतंत्र सुरक्षा जांच की। इसके बाद जोहो पर भरोसा किया गया। 2023 में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के साथ 7 साल के अनुबंध बाद एनआईसी के डोमेन से पीएमओ समेत सभी सरकारी ईमेल जोहो पर चले गए। इसका मतलब है कि सरकारी फाइल्स और दस्तावेजों तक अब जोहो की पहुंच है। सरकार स्वदेशी की बात तो करती है लेकिन सॉफ्टवेयर की निजी कंपनी में स्वदेशी और परदेशी के बीच की जो महीन रेखा है, वो कब पार हो जाएगी, पता भी नहीं चलेगा। वैसे 1996 में बने जोहो कॉर्पोरेशन के कर्ताधर्ता श्रीधर वेम्बू की सरकार से नजदीकी छिपी हुई नहीं है। वे काफी हद तक संघ की विचारधारा के करीब हैं, हालांकि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ समय पहले नंगे पैर चलने के स्वास्थ्य लाभ बताने वाली उनकी एक पोस्ट पर आलोचना हुई तो उन्होंने कहा था कि उन्हें संघी कहकर भी आलोचना की जाती है।

ध्यान देने वाली बात ये है कि 22 नवंबर 2024 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वेम्बू मुख्य अतिथि थे जो गोरखपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी में आयोजित था। वे इससे पहले चेन्नई में एबीवीपी संगमम में भी शामिल हुए थे। फरवरी 2019 में वेम्बू चेन्नई के आरएसएस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। मोदी सरकार ने 2021 में वेम्बू को पद्मश्री से सम्मानित किया था।

धनतेरस : समृद्धि का नहीं, संवेदना का उत्सव

डॉ. सत्यवान सौरभ

धनतेरस का नाम लेते ही आंखों के सामने दीपों की उजास, सोने–चांदी की झिलमिलाहट, बाजारों का रौनकभरा शोर और पूजा की तैयारियों में जुटे घर–घर के दृश्य उभर आते हैं। यह दिन न केवल खरीदारी का त्योहार है, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहरे दर्शन का प्रतीक भी है। यह वह दिन है जब लोग मानते हैं कि लक्ष्मी माता घर आएंगी, समृद्धि का आशीर्वाद देंगी, और दुर्भाग्य के अंधकार को मिटा देंगी। परंतु अगर हम इस पर्व के पीछे के दर्शन को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि धनतेरस का अर्थ केवल सोना–चांदी खरीदना नहीं, बल्कि 'धन' की सही परिभाषा को समझना है। 'धन' शब्द संस्कृत के 'धना' से बना है, जिसका अर्थ केवल संपत्ति या पैसा नहीं बल्कि समृद्धि, सुख और संतोष का संगम है। प्राचीन ग्रंथों में धनतेरस को 'धनत्रयोदशी' कहा गया है कृ अर्थात धन और स्वास्थ्य दोनों की कामना का दिन। इसी दिन समुद्र मंथन से धनवंतरि देवता अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, जिन्होंने मानवता को स्वास्थ्य का वरदान दिया। यही कारण है कि इस दिन को आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। जब दुनिया धन को केवल भौतिक संपत्ति के रूप में देखती है, तब भारतीय दर्शन इसे शरीर, मन और आत्मा की समृद्धि के रूप में देखता है। आज के समय में धनतेरस का रूप काफी बदल गया है। पहले जहां यह दिन दीप जलाने, घर साफ करने और देवी–देवताओं की पूजा का होता था, अब यह दिन शॉपिंग मॉल और ऑनलाइन सेल का प्रतीक बन गया है। धनतेरस आते ही लोग सोना, चांदी, कार, बाइक, फ्रिज, टीवी, मोबाइलकृसब कुछ खरीदने की होड़ में लग जाते हैं। लेकिन क्या यही असली 'धन' है? क्या केवल महंगी वस्तुएं खरीदकर हम सच में समृद्ध हो जाते हैं? शायद नहीं। असली समृद्धि तो उस मन में है जो संतोष जानता है, उस घर में है जहाँ प्रेम की दीवारें मजबूत हैं, और उस समाज में है जहाँ सभी के पास रोटी, कपड़ा और सम्मान हो। धनतेरस हमें यह भी सिखाता है कि धन का उपयोग कैसा हो। जब धन भगवान धनवंतरि से जुड़ा हुआ है, तो इसका अर्थ यह भी है कि धन स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा के लिए होना चाहिए, न कि दिखावे और व्यर्थ विलासिता के लिए। लेकिन आज की हकीकत यह है कि लोग धनतेरस पर नई चीजें खरीदने के लिए कर्ज तक ले लेते हैं। त्योहार खुशियों का होना चाहिए, पर वह तनाव और तुलना का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया पर कौन कितना खरीद रहा है, किसने कौन–सी गाड़ी लीकृयह तुलना हमें भीतर से खोखला कर देती है। असली पूजा तो तब है जब हम अपने जीवन में संतुलन और संयम को जगह दें।

एक समय था जब धनतेरस के अवसर पर लोग मिट्टी के दीप, तांबे या पीतल के बर्तन खरीदते थे। यह परंपरा केवल प्रतीकात्मक नहीं थी, बल्कि वैज्ञानिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थी। मिट्टी के दीप अंधकार मिटाने का प्रतीक हैं, और धातु के बर्तन स्वास्थ्य व सकारात्मक ऊर्जा का। लेकिन अब इन बर्तनों की जगह चमकदार चाइनीज लाइट्स और प्लास्टिक के सजावटी सामान ने ले ली है। पहले जहां घरों में 'शुभ–लाभ' लिखकर दीवारें सजी होती थीं, अब 'डिस्काउंट' और 'कैशबैक' के बोर्ड झिलमिला रहे हैं। यह बदलाव केवल बाहरी नहीं, बल्कि हमारे भीतर के मूल्यबोध में भी आया है। धनतेरस का एक और गहरा संदेश हैकृ'धन' और 'धर्म' के संतुलन का। यदि धन अधर्म के मार्ग से अर्जित किया गया है, तो वह कभी सुख नहीं दे सकता। महाभारत में कहा गया हैकृ"धनं धर्मेण सञ्चयेत्" यानी धन को धर्म के मार्ग से अर्जित करो। आज जब समाज में भ्रष्टाचार,

लालच और अनैतिक कमाई बढ़ रही है, तब धनतेरस हमें याद दिलाता है कि असली पूजा वह नहीं जो सोने के दीपक से हो, बल्कि वह है जो ईमानदारी और परिश्रम से कमाए धन से की जाए। इस दिन जब हम दीप जलाते हैं, तो वह केवल बाहर का अंधकार नहीं मिटाता, बल्कि भीतर के लालच, ईर्ष्या और मोह के अंधकार को भी दूर करने का संदेश देता है।

इस पर्व का एक आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक पक्ष भी है। कार्तिक मास की त्रयोदशी के दिन मौसम बदलता है, सर्दी की शुरुआत होती है, और शरीर में रोगों की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे समय में भगवान धनवंतरि की पूजा करना इस बात का प्रतीक है कि हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। धनतेरस का अर्थ केवल धन प्राप्ति नहीं, बल्कि दीर्घायु, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन की प्राप्ति भी है। जब शरीर स्वस्थ होगा, तभी जीवन में वास्तविक सुख और समृद्धि होगी।

अगर हम अपने पुरखों की जीवनशैली देखें, तो वे त्योहारों को केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं मानते थे, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण संतुलन का अवसर भी समझते थे। धनतेरस के दिन घरों की सफाई का चलन केवल देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रतीक के रूप में भी था। दीप जलाना केवल अंधकार हटाने के लिए नहीं, बल्कि प्रदूषण कम करने और वातावरण को पवित्र करने का एक उपाय भी था। लेकिन आज सफाई की जगह सजावट ने ले ली है, और पवित्रता की जगह दिखावे ने।

धनतेरस समाज में समानता का भी प्रतीक रहा है। पुराने समय में अमीर–गरीब सभी इस दिन अपने घरों में दीप जलाते थे। किसी के पास सोना–चांदी न हो तो वह मिट्टी का दीपक जलाकर भी अपनी श्रद्धा प्रकट करता था। आज यह भाव कम होता जा रहा है। त्योहार जो कभी सबको जोड़ता था, अब वर्गों में बाँट रहा है। मॉलों की चकाचौंध में झुग्गियों की अंधेरी रातें दब जाती हैं। यह सोचने की बात है कि अगर लक्ष्मी सच्चे मन से हर घर में आती हैं, तो इतने लोग भूखे क्यों हैं? इतने किसान कर्ज में क्यों मर रहे हैं? क्या हमने लक्ष्मी को केवल अमीरों की देवी बना दिया है? धनतेरस का वास्तविक संदेश यही है कि हमें धन का सही उपयोग करना सीखना चाहिए। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हमारा धन कितने लोगों के जीवन में रोशनी लाता है। अगर हम अपने धन से किसी गरीब की मदद करें, किसी बीमार के इलाज में सहयोग दें, किसी जरूरतमंद बच्चे की पढ़ाई में योगदान देंकृतो वही असली धनतेरस होगी। लक्ष्मी तभी स्थायी होती हैं जब उनका उपयोग दूसरों की भलाई में होता है। वरना वह केवल कुछ समय की झिलमिलाहट बनकर रह जाती हैं।

आज के युग में जब हम डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शॉपिंग और कृत्रिम रोशनी के बीच धनतेरस मना रहे हैं, तब यह और भी जरूरी है कि हम इस पर्व की आत्मा को पहचानें। यह पर्व हमें अपने घर के साथ–साथ अपने मन का भी 'क्लीनिंग डे' बनाने का अवसर देता है। अपने भीतर के लोभ, ईर्ष्या, स्वार्थ और दिखावे की धूल झाड़कर अगर हम मन में करुणा, ईमानदारी और प्रेम के दीप जला सकें, तो वही सच्चा धनतेरस होगा। धनतेरस केवल एक दिन नहीं, एक दृष्टिकोण हैकृजीवन को संतुलित, स्वास्थ्यपूर्ण और अर्थपूर्ण बनाने का दृष्टिकोण। यह हमें सिखाता है कि धन का मूल्य उसकी मात्रा में नहीं, बल्कि उसके प्रयोग में है। अगर हम धन को साधन बनाएँ, साध्य नहीं, तो वह जीवन में सौंदर्य और संतोष दोनों लाता है। लेकिन अगर वही धन हमें दूसरों से श्रेष्ठ दिखने की दौड़ में ले जाए, तो वह वरदान नहीं, अभिशाप बन जाता है।

आज के समय में शायद सबसे बड़ा 'धन' यह है कि हम अपनी मानसिक शांति को बचा पाएँ। परिवार के साथ बैठकर मुस्कुरा सकें, कुछ समय अपनों को दे सकें, बुजुर्गों के चरण छूकर आशीर्वाद ले सकेंकृयह भी धनतेरस का ही भाव है। क्योंकि जो घर प्रेम और सम्मान से भरा हो, वहाँ लक्ष्मी अपने आप आ जाती हैं। त्योहारों की असली चमक सोने या चांदी की नहीं होती, वह मन की निर्मलता में होती है। दीपों की रोशनी बाहर तभी फैलेगी जब भीतर के दीप प्रज्वलित हों। इसलिए इस धनतेरस पर अगर आप कुछ खरीदना ही चाहें, तो अपने लिए संयम, करुणा और संतोष खरीदिए। यह वे अमूल्य वस्तुएं हैं जो कभी पुरानी नहीं पड़तीं, कभी चोरी नहीं होतीं, और जीवनभर समृद्धि देती हैं।

धनतेरस का यह पर्व हमें हर वर्ष यह याद दिलाता है कि समृद्धि केवल धनवान बनने में नहीं, बल्कि मनवान बनने में है। जब हम अपने कर्मों से दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाते हैं, जब हम अपनी कमाई से किसी का अंधकार मिटाते हैंकृतभी सच्चे अर्थों में 'धनतेरस' होती है। इसलिए दीप जलाइए, पर साथ ही किसी और के जीवन में भी उम्मीद का दीप जलाइए। यही इस पर्व का सबसे सुंदर संदेश है।

सत्य के सच की मीमांसा, सत्य की सार्वभौमिकता सदैव शाश्वत

संजीव ठाकुर

मनुष्य का समग्र विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, असीम उत्साह, जिजीविषा और निरंतर उन्नति की आकांक्षा का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति के विकास–पथ पर मूल्यों का पुनर्संयोजन और परिवर्तन सृष्टि का स्वाभाविक क्रम है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का सनातन नियम है।

विकास के पथ पर धन की भूमिका अवश्य है, परंतु जब धन स्वयं लक्ष्य बन जाए तो वह दिशा को दिग्भ्रमित कर देता है। परिस्थितियों, आवश्यकताओं और युगीन दर्शन के अनुरूप समाज का दृष्टिकोण निरंतर परिवर्तित होता रहता है, किंतु सत्य कृ वह तत्व है जो समय, देश, समाज, धर्म और संस्कृति से परे, सर्वकालिक और सर्वमान्य बना रहता है। आदिकाल से ही मानव जीवन में धन और सत्य दोनों की अपनी विशिष्ट भूमिका रही है। धन जीवन की सुविधा का साधन है, जबकि सत्य उसके अस्तित्व का आधार। धन का महत्व है, परंतु धनबल सब कुछ नहीं। सत्य वह दिव्य आलोक है जो अंधकार के पार भी अपनी ज्योति बनाए रखता है। महात्मा गांधी ने कहा था कृ "सत्य ही ईश्वर है और ईश्वर ही सत्य।" गांधीजी का सम्पूर्ण जीवन इस उद्घोष का साक्षात् रूप था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सत्य केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्त ऊर्जा है। स्वामी विवेकानंद भी कहते हैं कृ "सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीम बल प्रदान करती हैय जो सत्य का पालन करता है, उसे कोई भी शक्ति रोक नहीं सकती।" वेदों और उपनिषदों में भी सत्य को सर्वोच्च मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। "सत्यमेव जयते नानृतं" कृ (मुंडक उपनिषद) कृ यह केवल वाक्य नहीं, भारतीय जीवन–दर्शन का सार है। भारतीय परंपरा में सत्य को मन, वचन और कर्म की एकता में देखा गया है कृ 'सांच को आंच

नहीं' जैसी लोक कहावतें इसी शाश्वत सत्य की जनभाषा में व्याख्या हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा कृ "तीन बातों को लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकतारू सूर्य, चंद्रमा और सत्य।" सुकरात ने भी सत्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, पर अपने सिद्धांत से विचलित नहीं हुए। इमैनुएल कांट ने अपनी नैतिक दार्शनिकता में कहा कृ "सत्य बोलना नैतिक कर्तव्य है, चाहे उसके परिणाम कुछ भी हों।" लियो टॉलस्टॉय ने इसे मानवीय आत्मा की सर्वोच्च अवस्था माना कृ "सत्य वही है जो आत्मा को स्वतंत्र करता है।"

वेदों में कहा गया है कृ "सत्य का सुख स्वर्ण–पात्र से ढका हुआ है।"जब धन मुखर होता है, तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है। इतिहास साक्षी है कि जब–जब धनबल और सत्ता ने नैतिकता को निगला, तब–तब सभ्यताओं ने पतन देखा है। धन का अतिरेक समाज को नैतिक भ्रम में डाल देता हैय भोग और उपभोग की संस्कृति में त्याग, संयम और संतुलन जैसे मूल्य विलुप्त होते जाते हैं। पश्चिमी औद्योगिक क्रांति के पश्चात धन का प्रभाव वैश्विक स्तर पर इतना बढ़ा कि समाज, राजनीति, धर्म, यहां तक कि शिक्षा और अध्यात्म भी आर्थिक निर्देशों के अधीन होते चले गए। आज धन का नियंत्रण इतना व्यापक है कि राजनीति, न्यायपालिका, मीडिया कृ सब उसके प्रभाव क्षेत्र में हैं। न्याय भी अब महंगा हो गया है कृ जैसे विवेक की जगह अब मूल्य (च्तपबम) ने ले ली हो। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सत्य का दमन कभी स्थायी नहीं होता।

धन के पास सत्ता है, पर सत्य के पास स्थायित्व। धन आकर्षक है, पर सत्य आत्मिक। धन बदलता है, सत्य बना रहता है। आधुनिक वैश्वीकरण के इस युग में जब सब कुछ खरीदा–बेचा जा सकता है, तब भी सत्य की किंमत लगाना असंभव है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कृ "जो सत्य की खोज में नहीं है, वह जीवन की सबसे बड़ी यात्रा से वंचित है।"रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में कृ "सत्य ही ईश्वर का दूसरा नाम हैय जो सत्य को जानता है, वही ईश्वर को जानता है।"आज का युग धन, सत्ता और प्रभाव का युग अवश्य है, पर वह मानवता का युग तभी बनेगा जब उसमें सत्य का आलोक व्याप्त होगा।

धर्मनिरपेक्ष दल हिंदुत्व के इस्तेमाल का मुकाबला कैसे कर सकते हैं

एस आर दारापुरी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राजनीति में हिंदुत्व के इस्तेमाल का मुकाबला करने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलोंऔर संगठनों को एक रणनीतिक, बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो वैचारिक और व्यावहारिक, दोनों पहलुओं को संबोधित करे। नीचे राजनीतिक गतिशीलता और ऐतिहासिक संदर्भ पर आधारित प्रमुख रणनीतियाँ दी गई हैं जिन्हें धर्मनिरपेक्ष संस्थाएँ अपना सकती हैं।बहुलवाद के साथ विशिष्टता को चुनौती देंरू हिंदुत्व एक हिंदू–बहुसंख्यकवादी आख्यान को बढ़ावा देता है, जो अक्सर गैर–हिंदुओं को गौण नागरिक के रूप में प्रस्तुत करता है। धर्मनिरपेक्ष दल भारत की बहुलवादी विरासत, जो इसके संविधान, समन्वयकारी परंपराओं और विविध धर्मों के ऐतिहासिक सह–अस्तित्व में निहित है, पर जोर देकर इसका मुकाबला कर सकते हैं। अकबर, अशोक या गांधी जैसे आधुनिक नेताओं जिन्होंने विविधता में एकता की वकालत की, को उजागर करें। केवल हिंदुत्व का विरोध करने के बजाय, विविधता में एकता के इर्द–गिर्द एक आकर्षक आख्यान गढ़ेंजो भावनात्मक रूप से प्रतिध्वनित हो। भारत की बहु–धार्मिक, बहु–जातीय पहचान का जश्न मनाने के लिए नारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मीडिया अभियानों का उपयोग करें। धर्मनिरपेक्ष संदेश को स्थानीय बनाने के लिए केरल की मप्पिला संस्कृति या तमिलनाडु के शैव–वैष्णव सह–अस्तित्व जैसे अंतर्धार्मिक सद्भाव को दर्शाने वाले क्षेत्रीय आख्यानों को बढ़ावा दें। हिंदुत्व की संगठनात्मक ताकत (जैसे, आरएसएस की शाखाओं) का मुकाबला करने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलों को जमीनी स्तर के नेटवर्क में निवेश करना चाहिए। संवाद और विश्वास को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों सामुदायिक नेताओं और प्रगतिशील धार्मिक हस्तियों के साथ गठबंधन बनाएँ। हिंदुत्व अक्सर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर पनपता है। धर्मनिरपेक्ष संगठनों को अंतर्धार्मिक संवाद, सामुदायिक सेवा परियोजनाएँ और सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करने चाहिए जो विभाजन को पाटें, खासकर सांप्रदायिक तनाव वाले क्षेत्रों में।सोशल मीडिया और शैक्षिक अभियानों के माध्यम से युवा मतदाताओं को शामिल करें जो आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दें और विभाजनकारी बयानबाजी का पर्दाफाश करें। धर्मनिरपेक्ष आवाजों को बुलंद करने और गलत सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए ग जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें। पहचान से हटकर कार्य–निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करें। आर्थिक नीतियों पर जोर दें जो हाशिए पर पड़े समूहों जिनमें निम्न–जाति के हिंदू भी शामिल हैं को आकर्षित करें जो हिंदुत्व से प्रभावित हो सकते हैं लेकिन आर्थिक बहिष्कार का सामना करते हैं।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा या रोजगार सृजन जैसी नीतियाँ पहचान–आधारित लामबंदी को कमजोर कर सकती हैं। प्रतिक्रियात्मक सांप्रदायिक बयानबाजी से बचें, क्योंकि इससे उदारवादी मतदाताओं के अलग–थलग पड़ने और भाजपा की ध्रुवीकरण रणनीति में शामिल होने का जोखिम है। धार्मिक विमर्श पर हिंदुत्व के एकाधिकार का मुकाबला करने के लिए हिंदू धर्म के भीतर प्रगतिशील उदारवादी और सुधारवादी आवाजों का समर्थन करें। कबीर प्रोजेक्ट जैसे संगठनों या समावेशिता

की वकालत करने वाले प्रगतिशील हिंदू विद्वानों को बढ़ावा दें। हिंदू प्रतीकों और कथाओं को बढ़ावा दें जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों से मेल खाते हों जैसे कि रामायण के न्याय और करुणा के विषय, ताकि हिंदुत्व की आक्रामक व्याख्याओं को चुनौती दी जा सके। अल्पसंख्यक धार्मिक समूहों (मुस्लिम, ईसाई, सिख) के साथ गठबंधन बनाएँ ताकि एक संयुक्त मोर्चा बनाया जा सके, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि संदेश उदार हिंदुओं को अलग–थलग न करे। धर्मनिरपेक्षता को कमजोर करने वाली नीतियों या कार्यों जैसे भेदभावपूर्ण कानून या अभद्र भाषा, को चुनौती देने के लिए कानूनी तरीकों का उपयोग करें। नागरिक समाज अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने के लिए जनहित याचिकाएँ दायर कर सकता है। चुनाव आयोग या न्यायपालिका जैसी संस्थाओं की स्वायत्तता की वकालत करें ताकि बहुसंख्यकवादी एजेंडे द्वारा उनका दुरुपयोग न हो। एक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर नफरत भरे भाषणों पर नजर रखने और उनकी रिपोर्ट करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करें और अधिकारियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 295। जैसे मौजूदा कानूनों के तहत कार्रवाई करने का दबाव बनाएँ। धर्मनिरपेक्ष दलों को एकजुट मोर्चा बनाने के लिए वैचारिक मतभेदों को दूर करना होगा। 2024 के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंशिक सफलता (234 सीटें बनाम भाजपा की 240) गठबंधन निर्माण की क्षमता को दर्शाती है लेकिन इसके लिए बेहतर समन्वय की आवश्यकता है।

– अंदरूनी कलह से बचें धर्मनिरपेक्ष नेताओं के बीच सार्वजनिक झगड़े उनकी विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं। भाजपा के अनुशासित प्रचार तंत्र का मुकाबला करने के लिए एक एकीकृत संदेश और साझा एजेंडा महत्वपूर्ण है।

– क्षेत्रीय दलों को शामिल करें रू स्थानीय, संदर्भ–विशिष्ट रणनीतियों के साथ भाजपा के राष्ट्रीय आख्यान का मुकाबला करने के लिए मजबूत धर्मनिरपेक्ष साख वाले क्षेत्रीय दलों (जैसे, डीएमके, टीएमसी) का लाभ उठाएँ।

7. डिजिटल प्रचार का मुकाबला करें

– गलत सूचना का मुकाबला करें रू डिजिटल अभियानों से हिंदुत्व का प्रसार बढ़ता है। धर्मनिरपेक्ष संगठनों को मिथकों का खंडन करने और वास्तविक समय में विभाजनकारी आख्यानों को उजागर करने के लिए तथ्य–जांच इकाइयों और सोशल मीडिया टीमों में निवेश करना चाहिए।

वायरल सामग्री बनाएँ कृमीम्स, वीडियो और इन्फोग्राफिक्स–जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बढ़ावा दें और हिंदुत्व की भावनात्मक अपील का प्रतिकार करें। युवा दर्शकों को जोड़ने के लिए एक्स जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। सांप्रदायिक तनाव बढ़ाए बिना ऑनलाइन हिंदुत्व के आख्यानों को चुनौती देने के लिए स्वयंसेवकों को डिजिटल साक्षरता से लैस करें। धर्मनिरपेक्षता को हिंदू–विरोधी नहीं माना जाना चाहिए।

उपनगर कोल्हुई में संघ के शताब्दी वर्ष पर निकला पथ संचलन, पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

अवध नगरी संवाददाता

महराजगंज। उपनगर कोल्हुई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को हजारों स्वयंसेवकों द्वारा भव्य पथ संचलन निकाला गया। इस अवसर पर नगर में देशभक्ति और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला।

पथ संचलन पूर्ण गणवेश में निकले स्वयंसेवकों के दल ने किसान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोल्हुई परिसर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए परसौना इंटर कॉलेज मोड़ तक मार्च किया। वहां से पुनः संचलन वापस विद्यालय परिसर में पहुँचा, जहाँ कार्यक्रम का समापन हुआ। संचलन के दौरान स्वयंसेवकों ने एक स्वर में "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्" जैसे राष्ट्रभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा नगर देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं जवान भी पूरी तत्परता के साथ मौजूद रहे और स्वयंसेवकों के साथ–साथ संचलन में शामिल होकर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुस्तैद दिखे। उनके सहयोग से पूरा कार्यक्रम शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर संघ के विभाग एवं जिला स्तर के प्रमुख कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। जिन्होंने संघ के आदर्शों, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय नगर कार्यवाह, विभाग प्रचारक, विद्यालय प्रबंधन समिति सहित अनेक कार्यकर्ताओं का योगदान सराहनीय रहा।

पटाखों से जलने या अन्य कोई दुर्घटना होने पर डायल करें 108

☐ दिवाली पर एक काम्ल पर उपलब्ध होगी १०८ एम्बुलेंस सेवा

☐ २४ घंटे मरीजों को सेवा देने के लिए उपलब्ध रहेंगी १०८ एवं १०२ एंबुलेंस सेवाएं

अवध नगरी संवाददाता

महराजगंज दिवाली के मौके पर 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवाएं एक कॉल पर उपलब्ध रहेंगी। एम्बुलेंस सेवा प्रदाता संस्था ने सभी एम्बुलेंसों को 24 घंटे अलर्ट रहने और आवश्यक्ता पड़ने पर जल्ध्द से जल्ध्द मरीज को सेवा उपलब्ध्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में 108 एम्बुलेंस 24 घंटे लोगों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगी। कोई भी व्यक्ति 108 नम्बर पर कॉल करके एम्बुलेंस सेवा का लाभ ले सकता है।

उत्तर प्रदेश में 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवा प्रदाता संस्था ईएमआईआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के प्रोग्राम मैनेजर अभिषेक सिंह ने बताया कि दिवाली पर 108 सेवा की सभी 2200 एंबुलेंस मरीजों की सेवा के लिए 24 घंटे तैयार रहेंगी। आवश्ध्यकता पड़ने पर मरीजों जल्ध्द से जल्ध्द एंबुलेंस उपलब्ध कराने के लिए अलर्ट जारी किया गया है। सभी एंबुलेंसों में आवश्ध्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए गए हैं। 108 एम्ब्धुलेंस रूप से चिन्हित किए गए विशेष स्थ्धानों, दुर्घटना बाहुल्ध्य क्षेत्रों, व थानों के नजदीक मौजूद रहेगी। जिससे आपात स्थिति में मरीजों को प्राथमिक इलाज उपलब्ध होने के साथ ही एम्ब्धुलेंस से जल्ध्द से जल्ध्द निकटतम अस्पताल पहुंचाया जा सके। सड़क या अन्ध्य कोई दुर्घटना होने, जलने, हार्ट, सांस, लिवर, किडनी, पेट दर्द, स्किन से सम्ध्बंधित, या अन्ध्य कोई भी समस्ध्या होने पर 108 नंबर पर काल करें। 108 एम्ब्धुलेंस जल्ध्द से जल्ध्द मौके पर पहुंचेगी और पीडिघ्त को अस्ध्पताल ले जाएगी। सभी एम्ब्धुलेंसों में जीवन रक्षक दवाओं के साथ इमरजेंसी सुविधाएं व प्रशिक्षित स्ध्टाफ उपलब्ध्ध है।

इन समस्याओं के लिए डायल करें 108

पटाखे से या अन्य कारण से जलने पर,
रोड एक्सीडेंट या किसी अन्य प्रकार की दुर्घटना होने पर
दिल का दौरा या हार्ट अटैक होने पर
सांस लेने में तकलीफ होने पर
अचानक बेहोश होने पर, बुखार होने पर
जानवरों के काटने पर
कहीं आग लगी हो और फायर बिग्रेड व एंबुलेंस की आवश्ध्यक्ता हो
उपरोक्त के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की इमरजेंसी होने पर

जलने पर क्या करें

दिवाली पर पटाखों से या दीयों से जलने की दुर्घटनाएं होने का खतरा रहता है। इसलिए दिवाली पर ढीले कपड़े पहनने से बचें। ईएमआरआई ग्रीन हेल्ध्थ सर्विसेज के ईएमएलसी हेड डॉ. दाउद हुसामी ने बताया कि पटाखे छुड़ाने के दौरान पानी नजदीक में रखें। पटाखों से जलने या अन्य कारण से जलने की स्थिति में जले हुए अंग पर सादा पानी या नल का पानी लगातार 15 मिनट तक डालें। घाव को साफ रखें। कोई पट्टी या कपड़ा ना बांधे, किसी साफ कपड़े से जले हुए अंग को कवर करें। जले हुए अंग पर टूथपेस्ध्ट, हल्दी, नमक, या अन्य किसी भी वस्तु का लेप न करें। तुरंत 108 एम्बुलेंस को कॉल करें और अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर को दिखाएं।

महिलाओं व बच्चों के लिये 102 एंबुलेंस रहेगी उपलब्ध्ध

त्योहार के दौरान गर्भवती महिलाओं व 2 साल तक के बच्ध्चों को सेवाएं देने के लिए 102 एंबुलेंस सेवा भी 24 घंटे उपलब्ध्ध रहेगी। प्रदेश सरकार की ओर से प्रदेश में 108 सेवा की 2200 एंबुलेंस और 102 सेवा की कुल 2270 एंबुलेंस 24 घंटे संचालित हैं। दोनों ही सेवाएं प्रदेश सरकार की ओर से सभी के निरूशुल्ध्क संचालित की जा रही हैं। आवश्यकता पड़ने पर 102 या 108 पर कॉल करके निःशुल्ध्क एम्ब्धुलेंस सेवा प्राप्ध्त की जा सकती है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

परसामलिक पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया, साथ ही हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी

अवध नगरी संवाददाता

महराजगंज परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत शिवपुरी मे ब्रेकथ्रू संस्था द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को साइबर सुरक्षा, कानूनी अधिकार और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया ताकि उनकी सुरक्षा और स्वावलंबन सुनिश्चित हो सके। इस अभियान के तहत, महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जाता है।

जागरूकता के मुख्य बिंदु :–

महिला सशक्तिकरण और सुरक्षारू महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाता है, ताकि वे निडर और आत्मनिर्भर बन सकें। साइबर सुरक्षारू डिजिटल खतरों से बचाव के लिए साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाती है। सरकारी योजनाएंरू सुकन्या समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत जैसी केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। हेल्पलाइन नंबररू 112, 1090, 1076, 1930, और 1098 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया जाता है, ताकि वे जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें।

आत्मरक्षारू महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा के बारे में भी जागरूक किया जाता है।

परसामलिक पुलिस द्वारा गुरुवार को श्मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को कई महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें वूमेन पॉवर लाइन–1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112, एम्बुलेंस सेवा–108, चाइल्ड लाइन–1098, स्वास्थ्य सेवा–102, महिला हेल्पलाइन–181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन–1076 और साइबर हेल्पलाइन–1930 शामिल हैं।

घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, महिला अधिकारों और कानूनी प्रावधानों जैसे विषयों पर भी सार्थक चर्चा की गई। उपस्थित जनसमूह को शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। पुलिस प्रशासन द्वारा ऐसे प्रयास लगातार जारी हैं। अभियान मे मौजूद परसामलिक पुलिस उपनिरीक्षक गोविन्दर यादव समाजसेवी भावी जिला पंचायत प्रत्याशी हरि चौधरी और पुलिस के जवान मौजूद रहे।

रोड पर नाले निर्माण के मांग को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष से मिले युवा उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष

अवध नगरी संवाददाता

महराजगंज। कोल्हुई उपनगर निवासी एवं युवा व्यापार मण्डल अध्यक्ष प्रिंस जायसवाल ने बीते 4 अगस्त 2025 को जिला पंचायत कार्यालय महाराजगंज पहुंचकर जिला पंचायत अपर मुख्य अधिकारी से मिलकर कोल्हुई में लोटन रोड (राज्य मार्ग 129) पर नाला निर्माण का मांग एक ज्ञापन सौंपा था।

जिसके उपरांत किए गए मांग पर 11 अगस्त 2025 को जिला पंचायत के अवर अभियंता रफीउल्लाह खान मौके पर पहुंचकर युवा उद्योग व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष प्रिन्स जायसवाल एवं उद्योग व्यापार मंडल के तमाम पदाधिकारीयो के साथ मिलकर सर्वे किया था। सर्वे करने के बाद अवर अभियंता रफीउलाह खान ने जिला पंचायत को अपनी सर्वे रिपोर्ट प्रेषित की प्रेषित रिपोर्ट के बाद जिला पंचायत द्वारा 400 मीटर आर सी सी ढक्कन युक्त नाला निर्माण के लिए कार्य योजना में डाला गया था। कार्य योजना में डाले जाने के बाद उसका स्टीमेट भी बनाया गया। जिसको लेकर जिला पंचायत के अध्यक्ष रविकांत पटेल से युवा उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष प्रिन्स जायसवाल युवा उद्योग व्यापार मंडल कोल्हुई हरिओम चौरसिया ने मिलकर वार्ता किया जिस पर जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल ने बताया कि उक्त कोल्हुई लोटन रोड (राज्य मार्ग 129) पर 400 मी नाला निर्माण की स्वीकृति हो चुकी है इसी माह के अंत तक उसका टेंडर भी हो जाएगा एवं अगले माह से उस पर आर सी सी ढक्कन युक्त एक मीटर चौड़ा एक मीटर गहरा व 400 मीटर लंबा नाली का निर्माण होगा। उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष प्रिन्स जायसवाल ने बताया कि हम लगातार कई बार जिला पंचायत कार्यालय आकर इस पर लगे हुए थे इसी संदर्भ में आज जिला पंचायत अध्यक्ष से मुलाकात कर वार्ता की जिस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा अंतिम रूप में प्रक्रिया चल रही है। प्रिन्स जायसवाल ने बताया कि जिसके लिए हमने जिला पंचायत अध्यक्ष का ह्रदय की अनंत गहराइयों से आभार प्रकट किया।

7 दिन से बुखार से पीड़ित महिला के लिए जीवन रक्षक बनी 108 एम्बुलेंस

अवध नगरी संवाददाता

सिद्धार्थनगर नगर। जिले के कोतवाली थाना के इटवा निवासी महमूद की 26 वर्षीय पत्नी रोककैया खातून को 7 दिन से बुखार नहीं छोड़ रहा था और प्लेटलेट बहुत कम हो गया था,साथ ही उल्टी और दस्त भी होने लगा, नजदीकी डाक्टर से दवा करा रहे थे लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिल रहा था तब जाके मोहम्मद अरशद ने 108 एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी बेवा लाए जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बस्ती केली के लिए रेफर कर दिया।कुछ ही छड़ों में बेवा की एम्बुलेंस यूपी 32 थ्ळ 2295 पे कार्यरत ईएमटी चंद्रप्रकाश अपने सहयोगी पायलट बृजेश के साथ बतायें गये पते पर पहुंचे और पेशेन्ट को एम्बुलेंस में शिफ्ट करके पेशेन्ट का मेडिकल हिस्ट्री चेक करके अपने ईआरसी डा शैलेंद्र और ट्रेनर आलोक कुमार त्रिपाठी की सहायता लेकर उनके दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए पेशेन्ट को कैली अस्पताल बस्ती में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने कुछ टेस्ट करके पेशेन्ट का इलाज शुरू किया घर वालों ने बताया कि अब हमारे पेशेन्ट में पहले से काफी सुधार हुआ है अब पेशेन्ट ठीक ठाक है।

भारत मुक्ति मोर्चा, बामसेफ के मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में गूंजा उत्पीड़न, अत्याचार का मुद्दा

एकजुटता से हासिल होंगे अधिकार, बंद होगा उत्पीड़न- वामन मेश्राम

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती।– शुक्रवार को भारत मुक्ति मोर्चा, बामसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम ने मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुये हुये कहा कि समूचे देश और उत्तर प्रदेश में दलितों, अल्पसंख्यकों, गरीबों पर पुलिसिया जुल्म अत्याचार बढ गया है। जाति आधारित जनगणना शीघ्र कराये जाने, बैलेट पेपर से चुनाव पर जोर देते हुये कहा कि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक मोर्चो पर एकजुटता से अधिकार हासिल होंगे। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल ने कहा कि जुल्म, अत्यचार के विरूद्ध एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चांद मोहम्मद, बामसेफ के प्रदेश प्रभारी, धर्मेंद्र मौर्य भारतीय विद्यार्थी छात्रा प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष नीलू निगम, बुद्धिष्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के राष्ट्रीय प्रभारी आनन्द गौतम आदि ने मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये कहा कि गरीबों, किसानों, नौजवानों की स्थिति दिन प्रतिदिन दयनीय होती जा रही है, भाजपा की सरकार उपलब्धियों का ढोल पीट रही है किन्तु यह जमीनी सच्चाई है कि अन्याय का विरोध करने वालों पर लगातार जुल्म ढाने के साथ ही दलितों, अल्पसंख्यकों की हत्या तक की जा रही है। कहा कि ऐसे हालात में बदलाव के लिये एकजुट होना होगा। मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के आयोजक भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि अन्याय का विरोध करने पर जुल्म ढाया जा रहा है। कहा कि उन्होने लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में दलित बालिका के हत्या का मामला उठाया तो उन्हें पुलिसिया दमन का शिकार होना पड़ा, अभी तक प्रशासन मामले में चुप्पी साधे हुये हैं। कहा कि जनहित के सवाल को लेकर चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। सम्मेलन का संचालन करते हुये बहुजन मुक्ति पार्टी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम ने बस्ती मण्डल में हो रहे जुल्म, अत्याचार के अनेक मामलों को विस्तार से उठाया। सम्मेलन में दलित, अल्पसंख्यक उत्पीड़न, ईवीएम की जगह पर बैलेट बाक्स से चुनाव, सुरक्षा, शिक्षा अधिकार, कर्तव्य के साथ ही अनेक मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। सम्मेलन में राम सुमेर यादव,ठाकुर प्रेम नंदवंशी, बुद्धेश राना, सोनी , सरिता, शिल्पी, उदयराज विद्यार्थी, धनंजय,कुंवर भीम सिंह, राम अवतार पासवान, अजीम, सुग्रीव चौधरी, महेंद्र कुमार, कांशीराम, हरिप्रसाद साहनी, चंद्रवती बुद्ध प्रिय पासवान, प्रदीप चौधरी के साथ ही अनेक संगठनों के लोग शामिल रहे।

दिवाली पर एक कॉल पर उपलब्ध होगी 108 एम्बुलेंस सेवा

☐ पटाखों से जलने या अन्ध्य कोई दुर्घटना होने पर डायल करें १०८

☐ २४ घंटे मरीजों को सेवा देने के लिए उपलब्ध रहेंगी १०८ एवं १०२ एंबुलेंस सेवाएं

अवध नगरी संवाददाता

सन्तकबीर नगर। दिवाली के मौके पर 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवाएं एक कॉल पर उपलब्ध्ध रहेंगी। एम्बुलेंस सेवा प्रदाता संस्था ने सभी एम्बुलेंसों को 24 घंटे अलर्ट रहने और आवश्ध्यक्ता पड़ने पर जल्ध्द से जल्ध्द मरीज को सेवा उपलब्ध्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में 108 एम्बुलेंस 24 घंटे लोगों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगी। कोई भी व्यक्ति 108 नम्बर पर कॉल करके एम्बुलेंस सेवा का लाभ ले सकता है।

उत्तर प्रदेश में 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवा प्रदाता संस्था ईएमआईआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के प्रोग्राम मैनेजर नीरज कुमार उपाध्याय ने बताया कि दिवाली पर 108 सेवा की सभी 2200 एंबुलेंस मरीजों की सेवा के लिए 24 घंटे तैयार रहेंगी। आवश्ध्यकता पड़ने पर मरीजों जल्ध्द से जल्ध्द एंबुलेंस उपलब्ध कराने के लिए अलर्ट जारी किया गया है। सभी एंबुलेंसों में आवश्ध्यक दवाओं की उपलब्ध्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए गए हैं। 108 एम्ब्धुलेंस रूप से चिन्हित किए गए विशेष स्थ्धानों,दुर्घटना बाहुल्ध्य क्षेत्रों,व थानों के नजदीक मौजूद रहेगी। जिससे आपात स्थिति में मरीजों को प्राथमिक इलाज उपलब्ध होने के साथ ही एम्ब्धुलेंस से जल्ध्द से जल्ध्द निकटतम अस्पताल पहुंचाया जा सके।

जीवनरक्षक दवाओं के साथ प्रशिक्षित स्टाफ

सड़क या अन्ध्य कोई दुर्घटना होने, जलने, हार्ट, सांस,लिवर,किडनी,पेट दर्द,स्किन से सम्ध्बंधित,या अन्ध्य कोई भी समस्ध्या होने पर 108 नंबर पर काल करें। 108 एम्ब्धुलेंस जल्ध्द से जल्ध्द मौके पर पहुंचेगी और पीडिघ्त को अस्ध्पताल ले जाएगी। सभी एम्ब्धुलेंसों में जीवन रक्षक दवाओं के साथ इमरजेंसी सुविधाएं व प्रशिक्षित स्ध्टाफ उपलब्ध्ध है।

जलने पर क्या करें

दिवाली पर पटाखों से या दीयों से जलने की दुर्घटनाएं होने का खतरा रहता है।इसलिए दिवाली पर ढीले कपड़े पहनने से बचें। ईएमआरआई ग्रीन हेल्ध्थ सर्विसेज के ईएमएलसी हेड डॉ. दाउद हुसामी ने बताया कि पटाखे छुड़ाने के दौरान पानी नजदीक में रखें।पटाखों से जलने या अन्य कारण से जलने की स्थिति में जले हुए अंग पर सादा पानी या नल का पानी लगातार 15 मिनट तक डालें। घाव को साफ रखें। कोई पट्टी या कपड़ा ना बांधे,किसी साफ कपड़े से जले हुए अंग को कवर करें। जले हुए अंग पर टूथपेस्ध्ट,हल्दी,नमक,या अन्य किसी भी वस्तु का लेप न करें। तुरंत 108 एम्बुलेंस को कॉल करें और अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर को दिखाएं।

महिलाओं व बच्चों के लिये 102 एंबुलेंस रहेगी उपलब्ध्ध

त्ध्योहार के दौरान गर्भवती महिलाओं व 2 साल तक के बच्ध्चों को सेवाएं देने के लिए 102 एंबुलेंस सेवा भी 24 घंटे उपलब्ध्ध रहेगी। प्रदेश सरकार की ओर से प्रदेश में 108 सेवा की 2200 एंबुलेंस और 102 सेवा की कुल 2270 एंबुलेंस 24 घंटे संचालित हैं। दोनों ही सेवाएं प्रदेश सरकार की ओर से सभी के निरूशुल्ध्क संचालित की जा रही हैं। आवश्यकता पड़ने पर 102 या 108 पर कॉल करके निरूशुल्ध्क एम्ब्धुलेंस सेवा प्राप्ध्त की जा सकती है।

इन समस्ध्याओं के लिए डायल करें 108 पटाखे से या अन्य कारण से जलने पर,रोड एक्सीडेंट या किसी अन्य प्रकार की दुर्घटना होने पर
दिल का दौरा या हार्ट अटैक होने पर
सांस लेने में तकलीफ होने पर अचानक बेहोश होने पर,बुखार होने पर जानवरों के काटने पर कहीं आग लगी हो और फायर बिग्रेड व एंबुलेंस की आवश्ध्यक्ता हो
उपरोक्त के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की इमरजेंसी होने पर।

जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण धान की फसल कटाई कर फसल की पैदावार की जांच

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती– राजस्व ग्राम रैपुरा जंगल, तहसील बस्ती सदर में गाटा संख्या 499 श्री प्रेम प्रकाश के खेत पर 10 मी० समबहु त्रिभुज पर खरीफ 2025 में फसल धान की कटाई प्रयोग का निरीक्षण जिलाधिकारी रवीश गुप्ता द्वारा किया गया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा स्वयंधान की फसल की कटाई कर फसल की पैदावार की जांच की। 43.33 वर्ग मी0 में 28.100 किलाग्राम धान की पैदावार हुई, इसके अनुसार प्रति हेक्टयर पैदावार लगभग 64 कु० का अनुमान लगाया गया है। मौके पर उपजिलाधिकारी सदर शत्रुघन पाठक, अपर सांख्यिकीय अधिकारी भूलेख अजय कुमार चौधरी , ग्राम प्रधान अमरेन्द्र कुमार, मौके पर उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस 18 अक्टूबर को

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती। जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 18 अक्टूॅबर 2025 शनिवार को 10 बजे से रूधौली तहसील में आयोजित किया जायेंगा। उक्त जानकारी एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान ने दी है। उन्होने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में सभी जिला स्तरीय भाग लेंगे।

दीपावली पूर्व बोनस एवं डी0ए0दिए जाने पर मुख्यमंत्री जी को बधाई

अवध नगरी जिला संवाददाता

गोरखपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक परिषद के कैंप कार्यालय रामलीला मैदान बर्डघाट परिसर में हुई जिसमें दीपावली व छठ के त्यौहार के पूर्व राज्य सरकार द्वारा पहले बोनस और फिर केंद्र सरकार की भांति 3: डी०ए०की घोषणा करने पर सभी कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

बैठक को संबोधित करते हुए परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी जन नेता के साथ गोरक्षपीठाधीश्वर भी हैं। इसलिए वह कर्मचारियों के मन की बात समझते हैं इसलिए उन्होंने त्यौहार के पूर्व बोनस एवं डी०ए० देने की घोषणा किया हैं,इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं।महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल ने कहा कि हम मुख्यमंत्री जी से निवेदन करते हैं कि वह मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को निर्देशित करें कि वह कर्मचारी संगठनों से वार्ता में सहमति बनी सभी मांगों को शीघ्र पूरा करें जैसे कोरोना काल में निलंबित किए गए सभी भत्तों को बहाल किया जाए,वेतन विसंगति को दूर किया जाए,सभी विभागों में अभियान चला कर प्रमोशन किया जाए,एन०पी०एस० कर्मचारियों को सेवानिवृत होने के बाद चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जाए,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को कोई प्रमोशन नहीं मिलता है इसलिए उसे एक अतिरिक्त ए०सी०पी० का लाभ दिया जाए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा में ओपीडी सहित सभी इलाज शामिल किया जाए तथा अस्पतालों को निर्देशित किया जाए कि वह कर्मचारियों व उनके परिजनों के इलाज में आना कानी न करें।उन्होंने कहा कि यह सभी मांगे पूरी कर के माननीय मुख्यमंत्री जी कर्मचारियों के मन की पीड़ा समाप्त करें।

इस अवसर पर अशोक पांडेय रूपेश कुमार श्रीवास्तव गोविंद जी श्रीवास्तव मदन मुरारी शुक्ल राजेश सिंह पंडित श्याम नारायण शुक्ल अनिल द्विवेदी राजेश मिश्रा अनूप कुमार इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव इजहार अली राजू कुमार सहित तमाम कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में कर-करेत्तर राजस्व एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक संपन्न

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती– मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में कर–करेतर, राजस्व एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बस्ती, संतकबीरनगर तथा सिद्धार्थनगर जनपदों के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मण्डलायुक्त ने कर करेतर राजस्व वसूली, लंबित प्रकरणों के निस्तारण, भू–अभिलेखों के अद्यतन, अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था तथा भूमि विवादों से संबंधित मामलों की गहन समीक्षा की।

बैठक में मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि कर–करेतर, राजस्व वसूली को प्राथमिकता के आधार पर मिशन मोड में संचालित किया जाए। जिन विभागों की वसूली प्रतिशत कम है, वे अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में किया जाए तथा निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी को गंभीरता से लिया जाएगा।

मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों में पारदर्शिता, गति एवं परिणाम दिखाई देने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान प्राथमिकता से किया जाए तथा जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि भूमाफिया, अवैध कब्जा, अवैध खनन एवं भू–माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर जाकर विवादों का समाधान करें ताकि आमजन को राहत मिले और अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचा जा सके।

अंत में मण्डलायुक्त ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने कार्यों के प्रति उत्तरदायी रहें। शासन की योजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित सर्वोपरि है, अतः सभी अधिकारी संवेदनशीलता, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करें ताकि प्रशासन की विश्वसनीयता बनी रहे।

पुलिस उप महानिरीक्षक संजीव त्यागी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए तीनों जिले के पुलिस अधीक्षको को निर्देषित किया कि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा रात्रि गश्त को नियमित रूप से किया जाए। उन्होने यह भी कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थो पर विषेष निगरानी रखें, पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्यवाही सुनिष्चित की जाय।

बैठक का संचालन अपर आयुक्त प्रशासन मनोज कुमार तिवारी ने किया।

बैठक में जिलाधिकारी बस्ती रवीश गुप्ता, सिद्धार्थनगर राजा गणपति आर0, संतकबीरनगर आलोक कुमार, एडीएम बस्ती प्रतिपाल सिंह चौहान, संतकबीरनगर जय प्रकाश, सिद्धार्थनगर गौरव श्रीवास्तव, आरटीओ फरीउद्दीन, खान अधिकारी प्रषान्त यादव, मण्डल के तीनों जनपद के एस0ओ0सी0, प्रशासनिक अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय, राजेश रसाल उपस्थित रहे।

नागरिक सुरक्षा गोरखपुर द्वारा किया गया आयोजन

- अर्थ व्यवस्था को मजबूत कर रहा स्वदेशी मेला-डा.मंगलेश श्रीवास्तव
- शुभांगी अग्रवाल, सुधा मोदी, सरोज अग्रवाल,सुप्रिया द्विवेदी,गुंजन उपाध्याय
- विंध्यवासिनी , सरिता,चंचल सिंह,अदिरा सिंह

अवध नगरी जिला संवाददाता

गोरखपुर। नागरिक सुरक्षा गोरखपुर नें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चम्पा देवी पार्क में आयोजित स्वदेशी मेला में लगे स्वदेशी वस्तुओ स्टाल से सामान खरीददारी करने के लिए आमजन को प्रेरित किया।मिशन शक्ति–5.0 के अंतर्गत महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महिला उद्यमियों एवं मातृ शक्तियों का सम्मान प्रशंसा–पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में कोतवाली प्रखण्ड द्वारा नारी सशक्तिकरण पर चर्चा,महिला उद्यमियों एवं मातृ शक्तियों का सम्मान किया गया।

गोरखनाथ प्रखण्ड द्वारा नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण एवं मॉकड्रिल के माध्यम से आपातकालीन निकासी एवं प्राथमिक चिकित्सा का प्रदर्शन किया गया। इसीक्रम में सिविल लाइन्स डिवीजन द्वारा और रेड वार्निंग सिस्टम का अभ्यास व जानकारी दी गई।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यअतिथि महापौर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव नें कहा कि यहां स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों के परिश्रम,कौशल तथा सृजनशीलता को देखा जा सकता है।इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहाकी मेले के माध्यम से प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और मुख्यमंत्री के वोकल फॉर लोकल के संकल्प को साकार किया जा रहा है।उन्होंने लोगों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। चीफ वार्डेन डॉ.संजीव गुलाटी ने कहा कि विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करके स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए।इससे समाज के हर वर्ग की राष्ट्रीय विकास में सक्रिय भागीदारी हो सकेगी।उन्होंने कहाकी स्वदेशी अपनाने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे,साथ ही देश एक वैश्विक आपूर्ति केंद्र के रूप में उभरेगा। उपनियंत्रक सत्य प्रकाश सिंह नें कहा कि शक्ति का प्रतीक है नारी और सनातन धर्म के समृद्ध परंपरा के अनुसार वे पवित्र है देवी का स्वरूप है। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डिवीजनल वार्डेन विकास जालान नें कहा कि नवरात्रि का पर्व इसका प्रमाण है।आज मातृ शक्तियों को सम्मानित कर हम सभी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक वेद प्रकाश यादव ने किया।इस अवसर पर सहायक उपनियंत्रक नीरज श्रीवास्तव,डिवीजनल वार्डेन विकास जालान,डिप्टी डिवीजनल वार्डेन मुर्तजा आलम,ध्यान प्रकाश तिवारी, डॉ.उमेश चंद्र श्रीवास्तव,स्टॉफ ऑफिसर कीर्ति रमण दास,आशुतोष द्विवेदी सहित अनेकों वार्डेन उपस्थित रहे।

C&Ds को सौंपी गई जिम्मेदारी, भूविज्ञान प्राकृतिक घटनाओं की मिलेगी जानकारी

गोरखपुर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 75 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक स्पेस म्यूजियम बनाया जाएगा। यह म्यूजियम गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव आवास के पास 2.50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य छात्रों और शोधकर्ताओं को अंतरिक्ष,भूविज्ञान और पारिस्थितिकी से जुड़ी जानकारियों को आधुनिक और **रोचक तरीके से उपलब्ध कराना है।**

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के निर्देश पर म्यूजियम के निर्माण की जिम्मेदारी यूपी जल निगम की कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (ब–वे) यूनिट–19 को दी गई है। परियोजना के वित्तीय ढांचे के अनुसार 75 प्रतिशत राशि स्मार्ट सिटी परियोजना,15 प्रतिशत नगर निगम और 10 प्रतिशत चयनित फर्म से प्राप्त होगी। म्यूजियम में ज्वालामुखी, उल्कापिंड, चुंबकीय क्षेत्र जैसी घटनाओं को इंटरएक्टिव और वैज्ञानिक तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। यहां एंटार्कटिका की चट्टानें, हिमालयी जीवाश्म,डायनासोर अंडे और ज्वालामुखीय पत्थर जैसे दुर्लभ नमूने भी रखे जाएंगे। साथ ही, जीवन की उत्पत्ति,विलुप्त प्रजातियों और पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी जानकारी जीवाश्मों और डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से दी जाएगी।

म्यूजियम का एक बड़ा हिस्सा स्पेस साइंस पर केंद्रित

होगा यहां चैस्ट और ऊैस्ट जैसे रॉकेटों के मॉडल,अपोलो–11 और चंद्रयान मिशनों की जानकारी और 3डी फिल्मों के माध्यम से ब्रह्मांड, ब्लैक होल और तारों की गतिविधियों का अनुभव कराया जाएगा। टेलीस्कोप और इंटरएक्टिव स्क्रीन के जरिये ग्रहों,नक्षत्रों और आकाशगंगाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

म्यूजियम में बच्चों के लिए स्पेस मिशन सिमुलेशन,अंतरिक्ष यान उड़ाने और जीरो ग्रैविटी जैसे गेम्स की व्यवस्था होगी। इससे यह स्थान मनोरंजन के साथ विज्ञान और नवाचार के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने वाला शैक्षिक केंद्र बनेगा। परियोजना के तहत एक एक्वेटिक साइंस म्यूजियम भी प्रस्तावित है, जिसमें मछलियां,कछुए,जेलीफिश और समुद्री घोड़े जैसे जीव एक्वेरियम टैंकों में प्रदर्शित किए जाएंगे। डिजिटल स्क्रीन,3डी मॉडल और आ–टत तकनीक की मदद से आगंतुकों को जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण और जैव विविधता संरक्षण की जायेगी।

पुलिस पिकेट और रात्रि ड्यूटी में सिपाहियों की तैनाती के बावजूद सरकारी शीशम के पेड़ गायब, नहीं लगी भनक

अवध नगरी संवाददाता

अंबेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र अंतर्गत हैदरगंज मार्ग पर सड़क किनारे लगे सरकारी लाखों रुपये कीमत के शीशम के तीन पेड़ों की कटान और चोरी के दो दिन बाद भी पुलिस और वन विभाग खाली हाथ हैं। अब तक न तो चोरी हुई लकड़ी बरामद हो सकी है औरन ही इसमें शामिल गिरोह का सुराग लग पाया है। जानकारी के अनुसार, घटना 15ध्16 अक्टूबर की रात की है। भीटी–हैदरगंज मार्ग किनारे स्थित सरकारी तीन सूखे शीशम के पेड़ रात में काट लिए गए। हैरानी की बात यह है कि भीटी चौराहे पर पुलिस पिकेट और रात्रि ड्यूटी में सिपाहियों की तैनाती के बावजूद पुलिस को भनक तक नहीं लगी।

सूत्रों के मुताबिक, लकड़ी को रात करीब 2 बजकर 26 मिनट पर हैदरगंज मार्ग से होते हुए भीटी चौराहे की ओर एक पिकअप वाहन से ले जाया गया, जिसकी तस्वीरें एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई हैं। बावजूद इसके, पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों भीटी क्षेत्र में लकड़ी माफिया सक्रिय हैं। रातों–रात पेड़ काटकर ट्रक में भर ले जाते हैं और कई स्थानों पर अवैध अड्डी बनाकर लकड़ी की बिक्री अन्य जनपदों व प्रांतों में करते हैं। तीन सरकारी पेड़ों की कटान और चोरी के बाद भी न पुलिस और न ही वन विभाग को भनक लगना, दोनों विभागों की भूमिका पर सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि लाखों रुपये की इस लकड़ी के खेल में विभागीय मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता। वही जब इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी उमेश तिवारी से बात करने का प्रयास किया गया तो उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया। वही सीओ भीटी लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बताया कि मामले में सीसीटीवी फुटेज वन विभाग व पुलिस खगाल रही हैं जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

त्योहारों के मद्देनजर डीआईजी, एसएसपी ने किया पैदल गश्त-सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

अवध नगरी संवाददाता, गोरखपुर। आगामी त्यौहार धनतेरस,दीपावली एवं गोवर्धन पूजा को दृष्टिगत रखते हुए थाना राजघाट क्षेत्रान्तर्गत मुख्य बाजारों एवं भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर डीआईजी रेंज एस.चनप्पा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर ने क्षेत्राधिकारी ओमकार दत्त के साथ पैदल गश्त किया।

इस दौरान अधिकारियों ने व्यापारीगणों एवं स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा त्यौहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। भीड़भाड़ वाले बाजारों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान संवेदनशील स्थानों पर निरंतर गश्त एवं निगरानी रखी जाए। वहीं,स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन की तत्परता पर संतोष व्यक्त किया और सहयोग का आश्वासन दिया।

कृषक दुर्घटना बीमा,किसान फॉर्मर व ई-खसरा की समीक्षा बैठक

- किसी भी कीमत पर फाइल लंबित नहीं रहनी चाहिए"-सीआरओ हिमांशु वर्मा
- किसान की समस्या या दुर्घटना को प्रशासनिक फाइलों में फंसा रहना अस्वीकार्य है-सीआरओ

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देश पर शुक्रवार को पर्यटन भवन,कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) हिमांशु वर्मा ने की। बैठक में कृषक दुर्घटना बीमा योजना,किसान फॉर्मर पंजीकरण और ई–खसरा अपडेटिंग जैसे राजस्व विभाग के प्रमुख बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई।

सीआरओ हिमांशु वर्मा ने सभी तहसीलदारों को निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में कृषक दुर्घटना बीमा की फाइल लंबित नहीं रहनी चाहिए।उन्होंने कहा कि शासन स्तर से स्पष्ट निर्देश हैं कि पात्र किसानों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ समयबद्ध तरीके से मिलना चाहिए।यदि कहीं देरी या लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर (सदर) ज्ञान प्रताप सिंह,तहसीलदार खजनी ध्रुवेश सिंह,तथा अन्य तहसीलों–सदर,गोरखपुर,बांसगांव चौरी चौरा,कैंपियरगंज और गोला सहजनवा खजनी के तहसीलदारों ने भाग लिया।

सीआरओ ने कहा कि कई बार कृषक दुर्घटना के मामलों में रिपोर्टिंग में देरी होती है,जिससे परिजनों को समय पर आर्थिक सहायता नहीं मिल पाती। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि जैसे ही किसी किसान की दुर्घटना की सूचना मिले,उसी दिन उसका प्राथमिक सत्यापन और फोटो अपलोडिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही,बीमा दावा संबंधित फाइल को तीन दिन के अंदर जिला कार्यालय भेज दिया जाए ताकि डीएम स्तर से शीघ्र अनुमोदन हो सके। उन्होंने ई–खसरा और किसान फॉर्मर रजिस्ट्रेशन की प्रगति की भी समीक्षा की।उन्होंने कहा कि ई–खसरा में त्रुटियों के कारण किसानों को ऋण और अनुदान प्राप्त करने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए सभी लेखपाल यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक खाते की प्रविष्टि समय पर और सही ढंग से अपडेट की जाए।किसी भी खाता संख्या में त्रुटि या दोहराव न रहे।

सीआरओ ने निर्देश दिए कि फसल बीमा योजना से जुड़ी प्रविष्टियों का भी समय–समय पर मिलान किया जाए। यदि किसी किसान का नाम छूट गया हो तो उसे विशेष अभियान के तहत पुनः जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की पारदर्शिता और त्वरित सेवा ही शासन की प्राथमिकता है,इसलिए सभी अधिकारी "समयबद्धता और संवेदनशीलता" को प्राथमिकता में रखें।

बैठक के दौरान तहसीलवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई,जिसमें सदर और खजनी तहसील को "संतोषजनक" श्रेणी में रखा गया,जबकि बांसगांव और चौरी चौरा तहसील को "सुधार की आवश्यकता"वाले वर्ग में रखा गया। सीआरओ ने कहा कि आगामी समीक्षा बैठक में सभी तहसीलों को पूर्ण प्रगति के साथ रिपोर्ट देना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसानों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज होने के तीन दिन के भीतर किया जाए।"कृषक ही हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इसलिए किसी किसान की समस्या या दुर्घटना को प्रशासनिक फाइलों में फंसा रहना अस्वीकार्य है," बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग का उद्देश्य केवल रिपोर्ट तैयार करना नहीं,बल्कि किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को मिशन मोड में निभाए ताकि कोई भी पात्र किसान योजना से वंचित न रहे। मुख्य राजस्व अधिकारी ने कहा कि आगामी सप्ताह में पुनः समीक्षा की जाएगी और जिस तहसील में प्रगति धीमी पाई जाएगी,उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

सिंचाई बन्धु की बैठक विकास भवन सभागार में हुई संपन्न

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती– सिंचाई बन्धु की बैठक विकास भवन सभागार में उपाध्यक्ष गजेन्द्र मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनपद में किसानों के लिए खाद, उन्नतिशील बीज, कृषि यंत्र तथा सिंचाई के लिए समुचित साधनों यथा नलकूप व नहरों के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं में पारदर्शितापूर्वक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पात्र किसानों को निःशुल्क बोरिंग, अनुदानित बीज, पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम से चयनित कर लाभान्वित किया जाए।

बैठक में कप्तानगंज विधायक प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर ने कहा कि किसानों के गन्ना मूल्य का लंबित भुगतान शीघ्रता से किया जाय। उन्होंने गन्ना विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि किसानों के साथ–साथ गन्ना मिल से जुड़े कर्मचारियों के भुगतान की भी त्वरित कार्यवाही की जाय। उपस्थित प्रतिभागी ने बताया कि किसानों के गन्ना मूल्य का 16 जनवरी 2018 तक का भुगतान कर दिया गया है।

विधायक प्रतिनिधि हरैया सरोज मिश्रा ने उद्यान निरीक्षक भानु प्रताप त्रिपाठी से जनपद में औद्यानिक व बागवानी के लिए प्राप्त लक्ष्य की जानकारी चाही। उक्त के क्रम में उन्होंने बताया कि उन्नतिशील आलू के बीज, कपूरी, सिन्दूरी तथा कपूरी बहार रूपये 800 प्रति कुंतल अनुदान पर किसानों को 27 अक्टूबर 2025 से उपलब्ध कराया जायेगा। जिले में लहसुन के लिए 5 हेक्टेयर, प्याज के लिए 6 हेक्टेयर तथा हल्दी के लिए 3 हेक्टेयर का लक्ष्य वर्तमान वर्ष के लिए निर्धारित है। विधायक सदर प्रतिनिधि मो0 सलीम ने विद्युत विभाग के द्वारा कनेक्शन हेतु आवेदक के द्वारा धनराशि जमा करने के बाद भी अभी तक कनेक्शन न जोड़े जाने पर नाराजगी व्यक्त किया। नलकूपों की बन्द स्थिति पर भी उन्होंने रोष प्रकट किया। नलकूप विभाग के ए0ई0 ने बताया कि जनपद में 5 नये नलकूपों को स्थापित किये जाने की योजना प्रस्तावित है। बैठक में उर्वरक की उपलब्धता तथा फार्मर रजिस्ट्री के विषय में भी चर्चा की गयी। फार्मर रजिस्ट्री की लक्ष्य के सापेक्ष 74.27 प्रतिशत होने पर अध्यक्ष द्वारा प्रसन्नता प्रकट किया गया।

बैठक का संचालन सहायक अभियन्ता, सरयू नहर खण्ड–4, अजय कुमार आर्य ने किया। बैठक में अधिशासी अभियन्ताध्नोडल दिनेश मोहन, दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारीध्प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन संगठन ने सौंपा ज्ञापन

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती, –तहसील सदर बस्ती भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष जटाशंकर पांडेय ने आज सदर तहसील परिसर में दर्जनों साथियों के साथ माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को संबोधित ज्ञापन द्वारा जिलाधिकारी बस्ती को देते हुए बताया कि प्रदेश का अन्नदाता किसान आज भी अनेक कठिनाइयों से जूझ रहा है कृषि लागत बढ़ने उत्पादन मूल्य घटने समय पर भुगतान न होने प्राकृतिक आपदाओं और आवारा पशुओं के प्रकोप ने किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर बना दिया है खेती अब घाटे का सौदा बनती जा रही है किसान की मेहनत का उचित मूल्य और सम्मान उसे प्राप्त हो नहीं पा रहा है प्रदेश के किसानों की समस्याओं की स्थाई समाधान एवं जीवन स्तर सुधार के लिए निम्नलिखित 17 सूत्रीय मांगे प्रस्तुत की जा रही हैं गन्ना मूल्य घ्450 प्रति कुंतल घोषित किया जाय बकाया भुगतान पर ब्याज सहित पूरी भुगतान सुनिश्चित किया जाए छोटे एवं सीमांत किसानों के सभी कृषि ऋण पूर्णता माफ किए जाएं स्मार्ट मीटर प्रणाली समाप्त कीजिए किसानों को मुफ्त या रियायती बिजली उपलब्ध कराई जाए आवारा पशुओं से फसल बचाव हेतु ठोस नीति बनाकर प्रवाही निबंध किया जाए प्रत्येक गांव में गो आश्रय स्थल सुचारू रूप से संचालित हो फसल बीमा योजना में सुधार किया जाए ताकि किसानों को वास्तविक और शीघ्र मुआवजा प्राप्त हो कृषि इनपुट बीज खाद डीजल कीटनाशक पर टैक्स में छूट दिया है ताकि उत्पादन लागत घटे कृषि उपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य एसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए बाढ़ सूखा ओलावृष्टि कीट प्रकोप जैसी प्राकृतिक आपदाओं में तुरंत राहत राशि फसल क्षतिपूर्ति दी जाए किसान पेंशन योजना लागू की जाए ताकि वृद्ध किसानों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके हर जिले में कृषि मंडी और भंडारण केंद्र स्थापित किए जाएं जिससे किसान को उपज का उचित मूल्य मिल सके डीजल और पेट्रोल पर कृषि उपयोग हेतु टैक्स माफ किया जाए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि घ्6000 से बढ़कर घ्12000 प्रतिवर्ष की जाए भूमिहीन किसानों को खेती हेतु सरकारी भूमि पर दीर्घकालिक लीज दी जाए हर जनपद में कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएं ताकि किसान नई तकनीक से जुड़ सके किसानों एवं आंदोलन रत व्यक्तियों पर दर्ज झूठे मुकदमे वापस लिए जाएं कृषि आधारित उद्योगों और प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा दिया जाए ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो किसान संगठनों से नियमित संवाद की व्यवस्था की जाए और नीति निर्माण में किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए महोदय उपरोक्त मांगे प्रदेश के लाखों किसानों की भावना और आवश्यकताओं की प्रतिनिधि हैं यदि इन पर समय समय पर कार्रवाई की जाए तो निश्चित रूप से प्रदेश का किसान आत्मनिर्भर बन सकेगा और कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सशक्त स्तंभ सिद्ध होगी आपसे अनुरोध की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर किसानों को राहत प्रदान करने की कृपा करें।

बॉलीवुड के जाने–माने प्रोड्यूसर रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी हर साल की तरह इस बार भी सितारों से सजी रही। बी–टाउन की ये सबसे चर्चित पार्टियों में से एक है, जहां हर साल फिल्मी जगत के बड़े–बड़े सितारे अपने ग्लैमरस और ट्रेडिशनल लुक्स के साथ चार चांद लगा देते हैं। इस बार की पार्टी में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। पार्टी में मृणाल ठाकुर और मौनी रॉय अपने ट्रेडिशनल लुक से सबका अटेंशन अपनी ओर खींचती दिखीं। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब छाई हुई हैं। मौनी रॉय के लुक की बात करें तो पार्टी के लिए मौनी रॉय ने एक बेहद सॉफ्ट लैवेंडर कलर की शाइनी टिश्यू साड़ी का चुनाव किया। उनकी साड़ी पर गोल्डन और सिल्वर गोटा–पट्टी का शानदार काम किया गया था, जो उनके लुक को रॉयल टच दे रहा था। उन्होंने इस लुक को खुले बालों और एक खूबसूरत मांग–टीका के साथ कंप्लीट किया, जिससे उनका पारंपरिक लुक और भी निखर गया। मौनी ने अपने मिनिमल मेकअप और नैचुरल ग्लो से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दूसरी ओर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी सादगी और एलीगेंस से सभी को इम्प्रेस करती नजर आईं। उन्होंने पार्टी के लिए रॉयल ब्लू कलर की साटन प्लेन साड़ी पहनी, जिसे उन्होंने सीक्विन और मोतियों से जड़े डीप–नेक स्लीवलेस ब्लाउज के साथ पेयर किया।

थामा की एडवांस बुकिंग शुरू, दिवाली पर होगा बड़ा धमाका!

दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स की आने वाली हॉरर–कॉमेडी फिल्म 'थामा ने एडवांस बुकिंग के साथ ही धमाकेदार शुरुआत कर दी है। सुबह से खुले एडवांस बुकिंग स्लॉट्स में टिकट्स तेजी से बिक रहे हैं और बड़े शहरों में शो लगभग फुल हो रहे हैं। आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे दमदार सितारों से सजी यह फिल्म, मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की नई पेशकश है। इससे पहले इसी यूनिवर्स की 'स्त्री', 'भेड़िया' और 'मुनज्या' जैसी फिल्में हिट हो चुकी हैं। इस बार निर्देशक आदित्य सर्पोतेदार हॉरर, कॉमेडी और रोमांस का ऐसा मिश्रण लेकर आए हैं, जो दर्शकों को खूब भा रहा है। ट्रेड एनालिस्ट तरन आदर्श के मुताबिक, "थामा में एक परफेक्ट फेस्टिव एंटरटेनर बनने के सभी गुण हैं। एडवांस बुकिंग शानदार रही है और बज अब दर्शकों को थिएटर तक खींच रहा है। मैडॉक यूनिवर्स और दिवाली रिलीज का फायदा इसे जरूर मिलेगा।" वहीं, बुक माय शो के ओटीटी आशीष सक्सेना ने बताया, "के लिए टिकट सेल्स ने जोरदार शुरुआत की है। मेट्रो और टियर–2 शहरों में लगातार अच्छी ट्रैक्शन दिख रही है। दर्शक दिवाली पर एक बड़े पर्दे के मनोरंजन की तलाश में हैं और जैंउउं वही वादा करती है।"फिल्म के म्यूजिक और प्रोमो को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा है। दिवाली वीकेंड और बढ़ती एडवांस बुकिंग से साफ है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जोरदार ओपनिंग करने को तैयार है। थामा आने वाली 21 अक्टूबर 2025 दिवाली पर, वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

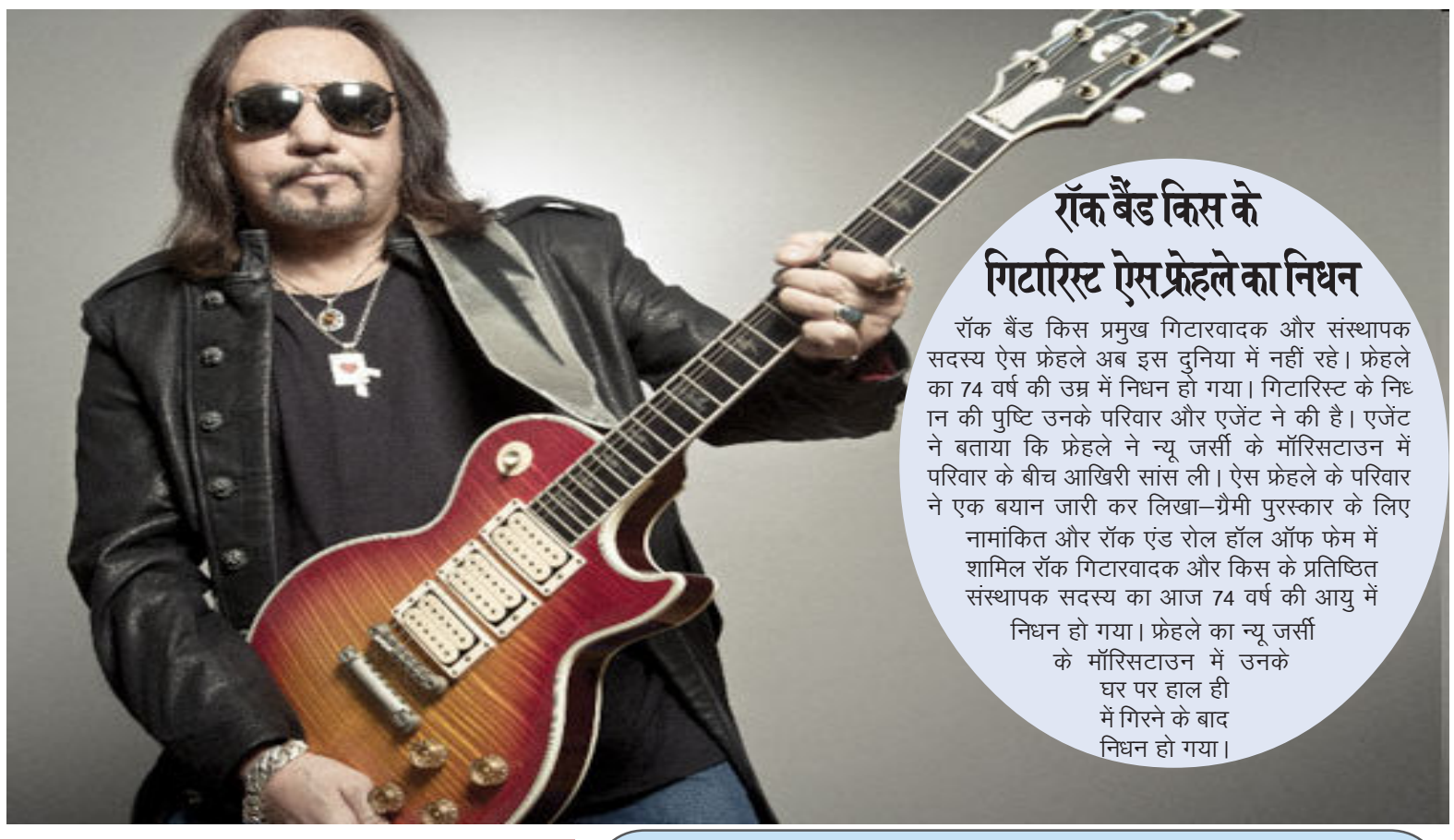

रॉक बैंड किस के गिटारिस्ट ऐस फ्रेहले का निधन

रॉक बैंड किस प्रमुख गिटारवादक और संस्थापक सदस्य ऐस फ्रेहले अब इस दुनिया में नहीं रहे। फ्रेहले का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। गिटारिस्ट के निधन की पुष्टि उनके परिवार और एजेंट ने की है। एजेंट ने बताया कि फ्रेहले ने न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में परिवार के बीच आखिरी सांस ली। ऐस फ्रेहले के परिवार ने एक बयान जारी कर लिखा–ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामांकित और रॉक एंड रोल हॉल ऑफ फेम में शामिल रॉक गिटारवादक और किस के प्रतिष्ठित संस्थापक सदस्य का आज 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फ्रेहले का न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में उनके घर पर हाल ही में गिरने के बाद निधन हो गया।

एक नहीं पूरे 5 दिन चलती है दिवाली

दीप और खुशियों के महापर्व दिवाली के उत्सव की तैयारियां तो कई दिनों से शुरू हो जाती है, लेकिन 5 दिन बेहद अहम होते हैं जिसे दिवाली पंच महोत्सव कहा जाता है। यह धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज पर समाप्त होता है। जहां 18 अक्टूबर को धनतेरस मनाया जाएगा तो वहीं 19 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी यानी छोटी दिवाली और 20 अक्टूबर को दिवाली की लक्ष्मी पूजा होगी। 22 अक्टूबर को अन्नकूट और गोवर्धन पूजा और 23 अक्टूबर को भाई दूज का पर्व मनाया जाएगा। चलिए जानते हैं इन दिनों का महत्व और शुभ मुहुर्त इस दिन भगवान धन्वंतरि और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। लोग सोना, चांदी, बर्तन या धनिया खरीदते हैं। यह दिन धन और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। इस दिन शुभ मुहुर्त दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगा औरसमापन 19 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट पर होगा। खरीदारी का पहला मुहुर्त सुबह 8 बजकर 50 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। दूसरा मुहूर्त– सुबह 11 बजकर 43 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। इस दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर का वध किया था। लोग घर की सफाई, सजावट और दीप जलाने की तैयारी करते हैं। यह दिन नकारात्मक ऊर्जा के नाश का प्रतीक है। इ दिन पूजन का मुहूर्त शाम 5 बजकर 47 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 57 मिनट तक रहेगा। यह दिवाली का सबसे बड़ा दिन होता है।

इस दिन लोग मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर की पूजा करते हैं। दीप जलाए जाते हैं, मिठाई बाँटी जाती है, और घर रोशनी से जगमगाता है। इस दिन लक्ष्मी–गणेश पूजन का सबसे शुभ समय शाम 7 बजकर 08 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। यह दिन धन, सुख और समृद्धि का प्रतीक है। इस दिन भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की याद में पूजा होती है। लोग घर में अन्नकूट बनाते हैं यानी कई प्रकार के व्यंजन तैयार किए जाते हैं। यह दिन कृष्ण भक्ति और प्रकृति की कृतज्ञता का प्रतीक है। गोवर्धन पूजा का पहला मुहूर्त 22 अक्टूबर को सुबह 6 बजकर 26 मिनट से लेकर सुबह 8 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। दूसरा मुहूर्त दोपहर 3 बजकर 29 मिनट से शुरू होकर शाम 5 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। भाई दूज इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक करती हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। भाई बहन को उपहार देते हैं। यह दिन भाई–बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक है। इस दिन भाई को टीका करने का मुहूर्त दोपहर 1 बजकर 13 मिनट से लेकर दोपहर 3 बजकर 28 मिनट तक रहेगा।

मिल गया लिवर से फैट हटाने का सबसे तेज तरीका

नई रिसर्च के अनुसार, ब्लैक कॉफी लिवर की सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, खासकर उन लोगों के लिए जो फैटी लिवर डिजीज से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक कॉफी लिवर में फैट के जमाव को कम करती है, सूजन को घटाती है और लिवर में होने वाले स्कारिंग यानी ऊतकों के नुकसान से बचाव में मदद करती है। रिसर्च यह भी बताती है कि जो लोग रोजाना सीमित मात्रा में ब्लैक कॉफी पीते हैं, उनमें फैटी लिवर के बढ़ने या गंभीर रूप लेने का खतरा काफी कम हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और कैफीन लिवर की सफाई करने में मदद करते हैं और फैटी लिवर डिजीज के खतरे को घटाते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि कॉफी में चीनी, दूध या क्रीम न मिलाएं, क्योंकि इनमें मौजूद शुगर और फैट लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए, सादा ब्लैक कॉफी न सिर्फ एनर्जी बढ़ाती है बल्कि लिवर को भी हेल्दी रखने में मदद कर सकती है

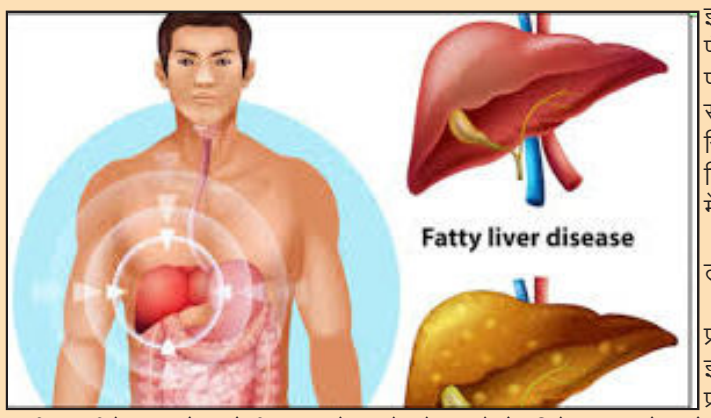

ब्लैक कॉफी में मिला लें ये प्राकृतिक चीजें

ब्लैक कॉफी में कुछ प्राकृतिक चीजें मिलाकर इसे और ज्यादा लिवर फ्रेंडली बनाया जा सकता है। जैसे दालचीनी जो ब्लड शुगर और फैट लेवल को नियंत्रित करने में मदद करती है। यह स्वाद भी बढ़ाती है और कॉफी का फ्लेवर हल्का मीठा कर देती है। हल्दी में इसमें मौजूद कर्क्युमिन लिवर में सूजन कम करता है और लिवर डैमेज से बचाव करता है। आधा चम्मच हल्दी पाउडर कॉफी में मिला सकते हैं। अदरक अपनी सूजन–रोधी और पाचन क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। कॉफी में शामिल करने पर, यह सूजन को कम करके और वसा के चयापचय को बढ़ाकर लीवर की कार्यप्रणाली को उत्तेजित करने की क्षमता रखता है।

दिवाली का त्योहार आते ही बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक रोशनी और रौनक का माहौल छा गया है। ऐसे में ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस भी पूरी तरह से सेलिब्रेशन मूड में नजर आ रही हैं। देसी गर्ल लगातार दिवाली पार्टियों में शिरकत कर रही हैं और अपने लुक से फैंस का दिल चुरा रही हैं। हाल ही में प्रियंका ने नए दिवाली पार्टी लुक की तस्वीरें आई हैं, जो आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं। दरअसल, हाल ही में प्रियंका जॉनी वॉकर दिवाली बॉल में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस मौके पर प्रियंका शिमरी रेड गाउन में लाल परी बन शामिल हुईं। सिंगल शोल्डर डिजाइन वाले इस गाउन पर बारीक कढ़ाई, मोती और चमकदार सीक्विन का काम किया गया था, जिसमें एक्ट्रेस का रॉय लुक देखने को मिला। प्रियंका ने अपने इस लुक को मिनिमल ज्वेलरी से बैलेंस किया। इसके साथ ही उन्होंने रेड हील्स, हल्का डायमंड ब्रेसलेट और छोटी सी डायमंड इयररिंग्स पहनी। मेकअप की बात करें तो प्रियंका ने रेड लिपस्टिक, शार्प आईलाइनर और हल्का ग्लिटर बेस लगाया और बालों का खूबसूरत बन बनाकर लुक को कंप्लीट किया। इस दौरान प्रियंका की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह अपनी सुपरहिट सीरीज 'सिटाडेल' के सीजन 2 की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' में 19वीं सदी की समुद्री डाकू का किरदार निभाती नजर आएंगी। इसके अलावा वह भारत के निर्देशक एस.एस. राजामौली और एक्टर महेश बाबू के साथ एक ग्लोबल प्रोजेक्ट 'ग्लोबट्रॉटर' में भी काम कर रही हैं।

लाल परी बन दिवाली पार्टी में शामिल हुईं

चीन की अमेरिका को चेतावनी, एकतरफा दबाव मंजूर नहीं, रूसी तेल पर प्रतिबंध लगे तो देंगे "कड़ा जवाब"

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने गुरुवार को अपने रूस से तेल आयात को कानूनी और वैध करार देते हुए अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने किसी तरह के एकतरफा प्रतिबंध लगाए जो चीन के हितों को प्रभावित करें, तो बीजिंग "कड़े जवाब" देगा। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अमेरिका का यह रुख एकतरफा दबाव और आर्थिक जबरदस्ती के समान है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर करता है और वैश्विक औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालता है। लिन ने कहा कि चीन का रूस और अन्य देशों के साथ सामान्य व्यापार और ऊर्जा सहयोग वैध और कानूनी है। उन्होंने इस बात का जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और अब चीन को भी ऐसा करना चाहिए। ट्रंप ने बुधवार को वाशिंगटन में पत्रकारों से कहा था, "हम भारत

द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदे जाने से खुश नहीं हैं। इससे पुतिन के युद्ध को वित्तीय मदद मिलती है। मोदी ने आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ा कदम है। अब हमें चीन को भी ऐसा करना होगा।लिन ने कहा कि चीन हमेशा यूक्रेन संकट पर एक निष्पक्ष और तटस्थ रुख अपनाता रहा है और उसकी नीतियाँ खुले तौर पर सभी के लिए स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, "हम अमेरिकी कदमों का दृढ़ता से विरोध करते हैं जो चीन पर केंद्रित हैं और हम किसी भी अवैध एकतरफा प्रतिबंध और लंबी पहुंच वाली विधिक कार्रवाई का विरोध करते हैं। यदि चीन के वैध अधिकार और हितों को नुकसान पहुंचेगा, तो हम अपनी संप्रभुता, विकास और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए कड़े जवाब देंगे।"सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के अनुसार, रूस से ऊर्जा उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार चीन है, और भारत दूसरे स्थान पर है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने हाल ही में कहा कि चीन रूस की ऊर्जा का 60 प्रतिशत खरीदता है। बेसेंट ने यह भी कहा कि चीन द्वारा दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के निर्यात पर नियंत्रण "चीन बनाम दुनिया" जैसी स्थिति पैदा कर रहा है, और अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ इसका संयुक्त जवाब तैयार करेगा। चीन ने हाल ही में इन खनिजों के खनन और प्रसंस्करण पर और नियंत्रण की घोषणा की थी, यह आरोप लगाते हुए कि विदेशी कंपनियां इसका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए कर रही हैं। चीन के पास दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत दुर्लभ पृथ्वी खनन और लगभग 90 प्रतिशत प्रसंस्करण का नियंत्रण है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता हे योंगकियान ने कहा कि बीजिंग व्यापारिक मुद्दों को संवाद के माध्यम से हल करने के लिए हमेशा खुला है। उन्होंने यह भी कहा कि एपीईसी बैठक से पहले चीन और अमेरिका के बीच किसी नई व्यापारिक बातचीत के लिए चीन हमेशा समान सम्मान और बातचीत के खुले दृष्टिकोण के साथ तैयार है।

ट्रंप का बड़ा दावा : पुतिन-जेलेंस्की की निजी नफरत के कारण नहीं रुकी रूस-यूक्रेन की जंग, भारत का भी किया जिक्र

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को लेकर एक सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा है कि वह दो महीने पहले ही इस विनाशकारी जंग को समाप्त करने की कगार पर थे, लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच गहरी निजी दुश्मनी के कारण यह संभव नहीं हो सका। एक बयान में ट्रंप ने कहा, मुझे लगा कि हम एक समझौते के बहुत करीब हैं। लेकिन पुतिन और जेलेंस्की के बीच नफरत बहुत ज्यादा है, और यह एक बड़ी बाधा बन गई। उन्होंने मध्य पूर्व में अपने कार्यकाल के दौरान शांति समझौते कराने का हवाला देते हुए कहा, कौन सोच सकता था कि मैं मध्य पूर्व में शांति स्थापित कराऊंगा। मुझे विश्वास है कि अब यूक्रेन और रूस के बीच भी युद्ध समाप्त होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें यह युद्ध एक सप्ताह के भीतर जीत लेना चाहिए था, लेकिन अब इसे चलते हुए चौथा साल

हो गया है। ट्रंप ने कहा, हम सभी चाहते हैं कि राष्ट्रपति पुतिन यह सब रोक दें। रूसियों और यूक्रेनियों का कत्लेआम अब बंद होना चाहिए। वह अपने ही बहुत से लोगों को मरवा रहे हैं, जिससे उनकी छवि को भी नुकसान पहुंच रहा है। इस बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने रूप से भारत का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि भारत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ट्रंप के अनुसार, यदि भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद बंद हो जाती है, तो युद्ध को रोकना आसान हो जाएगा। भारत ने मुझे भरोसा दिया है कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। एक बार युद्ध समाप्त हो जाए, तो वे फिर से ऐसा कर सकते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष लगातार जारी है और वैश्विक स्तर पर इसके समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं। ट्रंप के इस दावे ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है, खासकर भारत के संदर्भ में उनके बयान पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का इंतजार है।

ह्यूस्टन के भारतीय दूतावास में धूमधाम से मनाई गई दिवाली

न्यूयार्क, एजेंसी। ह्यूस्टन स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने दिवाली के उपलक्ष्य में भव्य समारोह का आयोजन किया। बुधवार को ह्यूस्टन शहर के साथ साझेदारी में आयोजित इस कार्यक्रम में समुदाय के नेता, राजनयिक और भारतीय–अमेरिकी समुदाय के सदस्य एकत्रित हुए। महावाणिज्य दूत डी सी मंजूनाथ और मेयर जॉन व्हिटमायर ने ह्यूस्टन सिटी हॉल में आयोजित समारोह का नेतृत्व किया, जिसमें निर्वाचित अधिकारियों, कांसुलर कोर के सदस्यों और सामुदायिक नेताओं ने भाग लिया। अपने संबोधन में मेयर व्हिटमायर ने भारतीय–अमेरिकी समुदाय को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, मुझे सिटी हॉल में दिवाली समारोह में ह्यूस्टन के भारतीय समुदाय के साथ शामिल होने पर गर्व है। यह ऐसा त्योहार है जो हमें याद दिलाता है कि प्रकाश अंधकार पर विजय प्राप्त करता है, और विविधता में एकता हमारी ताकत है। महावाणिज्य दूत मंजूनाथ ने दिवाली की भावना को अपनाने के लिए मेयर और ह्यूस्टन शहर को धन्यवाद दिया।

ट्रक पलटने से एक ही परिवार के 15 सदस्यों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सुरंग के पास बृहस्पतिवार को एक ट्रक के पलट जाने से एक ही परिवार के कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेस्क्यू 1122 आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता ने बताया कि यह दुर्घटना मलाकंद जिले के स्वात मोटरवे पर हुई। सभी पीड़ित स्वात के बहरीन तहसील के जिब्राल क्षेत्र के एक खानाबदोश परिवार से थे, जो अक्सर मौसमी तौर पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते थे। हादसे की सूचना मिलने पर बचाव सेवाएं और पुलिस दुर्घटना स्थल पर पहुंची और घायलों तथा मृतकों के पार्थिव शरीर को जिला मुख्यालय अस्पताल बटखेला पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने 15 लोगों की मौत की पुष्टि की जबकि आठ घायलों को आपातकालीन चिकित्सा प्रदान की गई। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को बाद में विशेष देखभाल के लिए स्वात ले जाया गया। बचाव सूत्रों के अनुसार, मृतकों और घायलों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हिंसा बंद करो, नागरिकों की खातिर दुश्मनी खत्म करो

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान से नागरिकों की सुरक्षा के लिए शत्रुता को स्थायी रूप से समाप्त करने का आग्रह किया, क्योंकि हाल ही में हुई झड़पों में दोनों देशों में दर्जनों लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं। यह 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा पश्चिम समर्थित सरकार के पतन पर सत्ता संभालने के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच सबसे भीषण संकट है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर के बाद से सीमा पार हिंसा में तेजी आई है और दोनों देशों का कहना है कि उन्होंने एक–दूसरे की तरफ से हुई सशस्त्र उकसावे की कार्रवाई के जवाब में हमले किए। बुधवार को दोनों पक्षों ने संघर्षविराम पर सहमति जताई। यह समझौता क्षेत्रीय शक्तियों की अपील के बाद हुआ, क्योंकि यह हिंसा उस क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डाल रही थी, जहां इस्लामिक स्टेट और अल–कायदा जैसे आतंकी समूह फिर से सक्रिय होने की कोशिश कर रहे हैं। रातभर किसी बड़े संघर्ष की सूचना नहीं मिली, लेकिन बृहस्पतिवार को प्रमुख

सीमा चौकियां बंद रहीं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने इस संघर्षविराम का स्वागत किया और कहा कि वह हताहतों की संख्या का आकलन कर रहा है। उसने बताया कि बुधवार को दक्षिणी क्षेत्र में सबसे अधिक जनहानि हुई। मिशन के अनुसार, "वर्तमान जानकारी से पता चलता है कि अफगान सीमा क्षेत्र स्पिन बोल्डक में कम से कम 17 नागरिक मारे गए और 346 घायल हुए। यूएनएएमए ने यह भी कहा कि उसने पहले की झड़पों में अफगानिस्तान के कई प्रांतों में कम से कम 16 नागरिकों की मौत की भी पुष्टि की है। मिशन ने सभी पक्षों से अपील की, "नागरिकों की सुरक्षा और आगे किसी जनहानि को रोकने के लिए शत्रुता का स्थायी अंत किया जाए।श्श पाकिस्तान ने अपनी ओर से हताहत नागरिकों के आंकड़े जारी नहीं किए हैं। वह लगातार अफगानिस्तान पर चरमपंथियों को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है, जिसे तालिबान खारिज करता है। 2021 के बाद से पाकिस्तान में आतंकी हमलों में वृद्धि हुई है। दोनों देशों के बीच 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है लेकिन अफगानिस्तान ने इसे कभी आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है।

पाकिस्तान में खून से सनी सड़क, एक ही झटके में उजड़ गया पूरा परिवार, 15 सदस्यों की दर्दनाक मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। यहां स्वात मोटरवे पर एक सुरंग के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें एक ही खानाबदोश परिवार के 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 8 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रेस्क्यू 1122 आपातकालीन सेवा के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना मलाकंद जिले में स्वात मोटरवे पर हुई। ट्रक में सवार सभी पीड़ित स्वात की बहरीन तहसील के जिब्राल इलाके के रहने वाले एक खानाबदोश परिवार के सदस्य थे। यह परिवार मौसमी प्रवास के तहत एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जा रहा था, तभी यह भयानक हादसा हो गया। मृतकों और घायलों में पुरुष, महिलाएं

और बच्चे भी शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल और स्थानीय पुलिस की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। ट्रक के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। सभी पीड़ितों को जिला मुख्यालय अस्पताल, बटखेला ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने 15 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 8 घायलों का इलाज आपातकालीन वार्ड में शुरू किया गया। घायलों में से चार की हालत बेहद नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए स्वात के एक बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में खराब सड़कें, यातायात नियमों की अनदेखी और वाहनों में सुरक्षा मानकों की कमी के चलते घातक सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। इसका प्रमाण हाल की घटनाओं से मिलता है, जहाँ इसी साल जुलाई महीने में इस्लामाबाद से लाहौर जा रही एक बस टायर फटने के कारण पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में खाई में गिर गई थी, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। इससे पहले अप्रैल में भी पंजाब प्रांत में हुए एक अन्य दर्दनाक सड़क हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत 11 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। लगातार हो रहे ये भीषण हादसे पाकिस्तान की सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

भारत के इशारे पर पाकिस्तान से लड़ रहा तालिबान नहीं टिकेगा सीजफायर, पाक रक्षा मंत्री का बड़ा बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान में हाल के संघर्षों के बीच जब अफगानी सेना ने बढ़त हासिल की, तो पाकिस्तान ने भारत को इस पूरे घटनाक्रम में शामिल करने की कोशिश शुरू कर दी है। बुधवार को पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक स्थानीय समाचार चौनल से बातचीत में कहा कि तालिबान सरकार पर भरोसा करना अब पहले जैसा आसान नहीं रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि तालिबान की नीतियां अब पाकिस्तान के खिलाफ जाती दिख रही हैं और इन फैसलों के पीछे भारत की भूमिका नजर आती है। आसिफ के मुताबिक, तालिबान इस समय भारत के इशारे पर पाकिस्तान के खिलाफ अप्रत्यक्ष युद्ध लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि तालिबान की नीतियां और फैसले नई दिल्ली से प्रभावित हैं, जिसके कारण दोनों देशों के बीच संघर्षविराम लंबे समय तक नहीं टिक पा रहा।

रक्षा मंत्री ने दावा किया कि अफगानिस्तान की सीमा से पाकिस्तान में होने वाले आतंकी हमलों में हाल के महीनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उनका कहना था कि आतंकवादी समूह लगातार पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियों को निशाना बना रहे हैं, लेकिन काबुल प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए ठोस कार्रवाई नहीं की। आसिफ ने बताया कि पाकिस्तान ने कई बार बातचीत और कूटनीतिक चौनलों के माध्यम से इस मुद्दे को उठाया, पर तालिबान सरकार ने अब तक कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा हालात में संघर्षविराम बनाए रखना मुश्किल लग रहा है, क्योंकि तालिबान अपने निर्णयों में भारत के प्रभाव में दिखाई देता है। आसिफ ने यह भी जोड़ा कि अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की हालिया भारत यात्रा के बाद काबुल के रुख में बदलाव देखा गया है। बीते कुछ महीनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों में लगातार तनाव बढ़ रहा है।

इस्लामाबाद कई बार सीमा पार आतंकवाद और टीटीपी जैसे संगठनों की गतिविधियों को लेकर चिंता जता चुका है। पाकिस्तान का कहना है कि इन समूहों के कारण उसके कबायली इलाकों में अस्थिरता बढ़ रही है। विश्लेषकों का मानना है कि तालिबान और पाकिस्तान के बीच बढ़ता यह तनाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था पर असर डाल सकता है। वहीं, भारत को लेकर पाकिस्तान के आरोप कोई नए नहीं हैं। इस्लामाबाद पहले भी कई बार यह दावा कर चुका है कि भारत अफगानिस्तान में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, हालांकि भारत ने हमेशा इन आरोपों को खारिज किया है।

आर्मी कैंप पर ग्रेनेड एटैक, 3 जवान गंभीर रूप से घायल

दिसपुर, एजेंसी। असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर इलाके में स्थित एक आर्मी कैंप पर देर रात ग्रेनेड हमला हुआ। इस हमले में सेना के तीन जवान घायल हो गए हैं। गुरुवार रात हुई इस घटना के दौरान गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें देर तक सुनाई देती रहीं, जिससे आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। सूत्रों के मुताबिक, आधी रात के करीब अज्ञात हमलावरों ने भारतीय सेना की 19 ग्रेनेडियर्स यूनिट के कैंप के पास ग्रेनेड फेंके। धमाकों में घायल जवानों को नजदीकी सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हमले के बाद सेना और पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और नागरिकों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी गई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका, यूएस कोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों की छंटनी पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक बड़ा और सनसनीखेज फैसला सामने आया है। सैन फ्रांसिस्को की संघीय जज सुसान इल्स्टन ने ट्रंप प्रशासन द्वारा सरकारी शटडाउन के दौरान हजारों संघीय कर्मचारियों की छंटनी पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह आदेश उस मुकदमे के जवाब में आया है, जिसमें लेबर यूनियनों ने दावा किया था कि ये छंटनियां अवैध और कर्मचारियों के अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। अदालत का यह फैसला ऐसे समय आया है जब व्हाइट हाउस ने शटडाउन के बीच कम से कम 10,000 कर्मचारियों की नौकरी खत्म करने की योजना की घोषणा की थी। सुनवाई के दौरान जज इल्स्टन ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि व्हाइट हाउस का ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ह्वरूक्च) और ऑफिस ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (ह्वक्करू) शटडाउन का फायदा उठाकर कानूनों की

अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि सरकार मान रही है कि शटडाउन में कोई नियम लागू नहीं होता। हाइट हाउस के ह्वरूक्च प्रमुख रस वॉट ने एक इंटरव्यू में कहा, हम संभवतरू 10,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करेंगे। हम नौकरशाही को बंद करने में बहुत आक्रामक होना चाहते हैं। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर डेमोक्रेट्स ने नवंबर के अंत तक सरकार को फंड करने वाले प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया, तो वे बड़े पैमाने पर छंटनी करेंगे कृ खासकर उन कर्मचारियों को निशाना बनाकर जिन्हें डेमोक्रेट्स समर्थक माना जाता है। अमेरिका में शटडाउन के चलते पहले ही लाखों सरकारी कर्मचारी बिना वेतन के काम कर रहे हैं या घरों में बैठे हैं। अब संभावित छंटनियों की घोषणा ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। राजनीतिक स्तर पर ट्रंप प्रशासन और डेमोक्रेट्स के बीच टकराव ने इस संकट को और गहरा कर दिया है।

कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर तीसरी बार फायरिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमेडियन कपिल शर्मा लगातार ही गैंगस्टर्स के निशाने पर बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तीसरी बार उनके कनाडा स्थिति कैप्स कैफे पर फायरिंग हुई। इस फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू (नेपाली) ने गोलीबारी के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर हमले की जिम्मेदारी ली है। बता दें, इससे पहले भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ही कपिल के कैफे पर दो बार फायरिंग करवाई थी। कैफे पर कम से कम तीन राउंड गोलियां चलाई गई हैं।

इजरायल ने दी चेतावनी

तेल, एजेंसी। अवीव गाजा में हमास और इजरायल के बीच एक बार फिर से स्थिति खराब होती हुई नजर आ रही है। ताजा अपडेट में इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर हमास ने सैन्यीकरण नहीं किया और अपने बंधकों के सभी शव नहीं लौटाए, तो इजरायल फिर से लड़ाई पर उतर जाएगा। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान भी सामने आ गया है। यह धमकी दोनों पक्षों के बीच हुए युद्धविराम के छठे दिन आई, जब हमास ने बुधवार (स्थानीय समय) को दो और बंधकों के शव सौंपे और कहा कि ये उसकी हिरासत में बचे आखिरी शव हैं।

काट्ज ने कहा, अगर हमास समझौते का पालन करने से इनकार करता है, तो इजरायल, अमेरिका के साथ मिलकर, लड़ाई में वापस लौटेगा और हमास को पूरी तरह से हराने, गाजा में स्थिति बदलने और युद्ध के सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई करेगा।

हिन्दी दैनिक अवध नगरी R.N.I.NO. UPHIN/2015/66408
प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राधेश्याम दूबे द्वारा ग्राम व पोस्ट धिरौली बाबू , छावनी, जिला बस्ती से प्रकाशित एवं अवध नगरी ऑफसेट प्रिन्टर्स ग्राम- पूरेवेद, पोस्ट-अमोढ़ा, थाना-छावनी, जिला बस्ती से मुद्रित। संपादक राधेश्याम दूबे मो० नं० : 9415205645 आर.एन.आई. नं० UPHIN/2015/66408 ईमेल : awadhnagridainik@gmail.com
स्थानीय सम्पादक - वी०के० त्रिपाठी
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बस्ती होगा।